खबर संक्षेप

वाहन प्रभारी को नोटिस, 24 घंटे में मांगा जवाब

कटनी। निकाय द्वारा घर-घर कचरा संग्रहण हेतु क्रय किये गये नवीन वाहनों में क्षेत्रीय परिवहन विभाग में पंजीयन कराकर व वाहनों में नंबर प्लेट लगवाये जाने के कार्य को प्राथमिकता के आधार पर पूर्ण कराने हेतु प्र.स्वास्थ्य अधिकारी एवं वाहन प्रभारी संजय सोनी को निगमायुक्त द्वारा निर्देशित किया गया था, किन्तु प्रभारी स्वास्थ्य अधिकारी द्वारा उक्त कारण बताओं नोटिस का जबाब प्रस्तुत नहीं करने तथा कार्य पूर्ण नही करने से निगमायुक्त द्वारा नाराजगी व्यक्त करते हुये अंतिम कारण बताओं नोटिस जारी कर क्रय किये गये नवीन वाहनों का क्षेत्रीय परिवहन विभाग से पंजीयन कराने, नंबर प्लेट लगवाये जाने के साथ-साथ 24 घंटे के अंदर कारण बताओ नोटिस का जबाब प्रस्तुत करने के निर्देश दिये है। निर्धारित समयावधि में जवाब प्रस्तुत नही करने पर एक पक्षीय कार्यवाही करने हेतु चेतावनी दी है।

ईवीएम मशीनों की सीलिंग एवं कमीशनिंग की कार्यवाही कल

कटनी। लोकसभा निर्वाचन 2024 के तहत संसदीय क्षेत्र खजुराहो अंतर्गत आने वाली जिले की तीन विधानसभा विजयराधवगढ, मुड़वारा एवं बहोरीबंद हेतु ईवीएम मशीनों की कमीशनिंग एवं सीलिंग हेतु जारी कार्यक्रम अनुसार बेल इंजीनियर्स की उपस्थित में सोमवार से शुरू होकर यह कार्य 17 अप्रेल मंगलवार को प्रातः 9 बजे से कार्य समाप्ति तक की जानी है। इसके उपरांत 18 अप्रैल को दोपहर 12 बजे से कार्य समाप्ति तक कमीशनिंग की कार्यवाही उपरांत माकपोल की कार्यवाही की संपादित की जायेगी। अपर कलेक्टर एवं उप जिला निर्वाचन अधिकारी श्रीमती साधना परस्ते नें मान्यता प्राप्त राजनैतिक दलों के पदाधिकारियों से इस सीलिंग, कमीशनिंग एवं माकपोल की कार्यवाही के दौरान उपस्थित रहने का आग्रह किया है।

डाकमत पत्र उपलब्ध कराने हेतु डयुटी आदेश जारी

कटनी। कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी अवि प्रसाद ने लोकसभा निर्वाचन के मद्देनजर जिला कोषालय में संधारित डाकमत पत्र एवं अनकास्टेड पोस्टल बैलेट पेपर्स, लोकसभा क्षेत्रवार रिटर्निंग ऑफिसर को रिकार्ड के साथ अनिवार्य रूप से उपलब्ध कराने हेतु विधानसभा क्षेत्रवार लोकसेवकों की डयूटी लगाई गई है। कलेक्टर श्री प्रसाद द्वारा जारी आदेशानुसार संसदीय क्षेत्र शहडोल की विधानसभा क्षेत्र बड़वारा हेतु आदित्य द्विवेदी नायब तहसीलदार बहोरीबंद की डयूटी लगाई जाकर मतदान दिवस के अगले दिन 20 अप्रैल को डाक मतपत्रों को जिला कोषालय से लोकसभा क्षेत्रवार रिटर्निंग ऑफिसर मुख्यालय मे अभिलेख सहित सुरक्षित पहुंचानें का दायित्व सौपा गया है। जबकि लोकसभा क्षेत्र खजुराहों अंतर्गत आने वाली विधानसभा विजयराघवगढ़, मुड़वारा एवं बहोरीबंद हेतु आशीष अग्रवाल तहसील ढीमरखेड़ा एवं श्री इसरार खान नायब तहसीलदार बड़वारा को दायित्व प्रदान कर मतदान दिवस के अगले दिन 27 अप्रैल को डाक मतपत्रों को जिला कोषालय से लोकसभा क्षेत्रवार रिटर्निंग ऑफिसर मुख्यालय मे अभिलेख सहित सुरक्षित पहुंचानें का दायित्व सौपा गया है।

माईक्रो आब्जर्बर का प्रशिक्षण 22 अप्रैल को

कटनी। लोकसभा निर्वाचन 2024 के अंतर्गत संसदीय क्षेत्र खजुराहो हेतु नियुक्त 174 माईक्रो आब्जर्बर का एक दिवसीय प्रशिक्षण 22 अप्रैल 2024 को दोपहर 3 बजे से कलेक्ट्रेट स्थित नवीन सभाकक्ष में आयोजित किया गया है। जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी एवं नोडल अधिकारी प्रशिक्षण शिशिर गेमावत ने एक दिवसीय आयोजित प्रशिक्षण में नोडल एवं सहायक नोडल अधिकारी के साथ संलग्न माईक्रो आब्जर्बर को नियत तिथि एवं समय में उपस्थित होकर प्रशिक्षण प्राप्त करने हेतु निर्देशित किया है।

बड़वारा स्वास्थ्य केन्द्र का मामला, जिम्मेदारों की अनदेखी पड़ न जाए भारी

अस्पताल की लैब के छत का टूटकर गिर रहा प्लास्टर, मंडरा रहा खतरा

हरिभूमि न्यूज ⏭ बड़वारा

सरकारी अस्पताल में अव्यवस्थाएं कोई नई बात नही है। बड़वारा के सरकारी स्वास्थ्य केन्द्र के लैब रूम की छत का प्लास्टर टूटकर नीचे गिर रहा है। इस कारण यहां हादसे का खतरा मंडरा रहा है।

बड़वारा स्वास्थ्य केंद्र में मरीजों के खून,कफ,क्षय रोगियों के बलगम की जांच, गर्भवती महिलाओं के रक्त, मूत्र की जांच जिस कक्ष में होती है वहां पर कमरे की छत जगह जगह से उखड़ कर फर्श में गिर रही है जिसकी वजह से छत की सरिया राड स्पष्ट दिखाई दे रही हैं। यहां जांच करवाने आने वाले मरीजों के साथ साथ लैब कक्ष में कार्य करने वाले कर्मचारियों की जान पर भी संकट बना रहता है कभी भी किसी भी प्रकार की अनहोनी घटना घटित हो सकती है इसके बावजूद भी स्वास्थ्य केंद्र बड़वारा के जिम्मेदार अधिकारियों के द्वारा किसी भी तरह के सुरक्षा के माकूल इंतजाम नही करवाए जा रहे हैं जर्जर छत में मरम्मत का कार्य नही करवाया जा रहा है।

बताया जाता है कि इससे पूर्व भी छत से प्लास्टर टूट रहे थे लेकिन मरम्मत के नाम पर महज पुट्टी से मरम्मत कर खानापूर्ति कर दी गई। अब फिर से वही समस्या उत्पन्न हो रही है। तस्वीर में साफ तौर पर देखा जा सकता है कि जितनी मात्रा में प्लास्टर टूटकर नीचे गिरा है यदि किसी व्यक्ति पर गिरता तो गंभीर चोट आ सकती थे। कर्मचारियों का भी कहना है कि हमें भी हादसे का डर बना रहता है।

जीपीएस ट्रैकिंग सिस्टम से लैस रहेंगे ईवीएम परिवहन करने वाले हर वाहन

हरिभूमि न्यूज ⏭ कटनी

पल पल की खबर कंट्रोल रूम में होती रहेगी दर्ज

लोकसभा चुनाव में मतदान के दिन ईवीएम और व्हीव्हीपेट के परिवहन में इस्तेमाल किये जाने वाले प्रत्येक वाहन पर निर्वाचन आयोग की नजर रहेगी। ऐसे प्रत्येक वाहन जीपीएस ट्रेकिंग सिस्टम से लैस रहेंगे। मतदान के दिन ईव्हीएम के मूवमेंट पर नजर रखने मतदान सामग्री वितरण के बाद मतदान दलों को मतदान केंद्र तक पहुंचाने वाले प्रत्येक वाहन में जीपीएस लगाया जायेगा । इसी प्रकार मतदान के दिन सेक्टर अधिकारियों के वाहन पर भी जीपीएस लगा होगा ताकि उनके पास रिजर्व में रखी ईव्हीएम के मूवमेंट पर भी नजर रखी जा सके।

जीपीएस ट्रेकिंग सिस्टम से मतदान के दिन ईवीएम लेकर रवाना होने वाले प्रत्येक वाहन के मूवमेंट की पल-पल की खबरें कंट्रोल सेंटर में दर्ज होती रहेगी। निर्धारित मार्ग से यदि वाहन थोड़ा भी विचलित होता है, इसकी जानकारी तुरंत मिल सकेगी।

सामग्री वितरण एवं जमा में संलग्न कर्मचारियों का प्रशिक्षण 24 अप्रैल को

कटनी। लोकसभा निर्वाचन 2024 के तहत संसदीय क्षेत्र खजुराहों की विधानसभा क्षेत्रों हेतु सामग्री वितरण एवं जमा करानें में संलग्न कर्मचारियों का एक दिवसीय प्रशिक्षण 24 अप्रैल 2024 को प्रातः 10:30 बजे से कलेक्ट्रेट स्थित नवीन सभाकक्ष में आयोजित किया गया है। जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी एवं नोडल अधिकारी प्रशिक्षण श्री शिशिर गेमावत ने आयोजित प्रशिक्षण में नोडल एवं सहायक नोडल अधिकारी के साथ सामग्री वितरण में जमा में संलग्न कर्मचारियों को नियत तिथि एवं समय में उपस्थित रहकर प्रशिक्षण प्राप्त करने हेतु निर्देशित किया है।

साधूराम स्कूल परिसर में तीन दिनी पुस्तक मेला कल से

निजी स्कूलों की मनमानी से राहत दिलाने प्रशासन की अभिनव पहल

हरिभूमि न्यूज ⏭ कटनी

निजी स्कूलों, पब्लिशर्स तथा कतिपय बुक सेलर्स की मनमानी से अभिभावकों को राहत दिलाने तथा प्रतिस्पर्धी एवं न्यूनतम दर पर छात्रों और अभिभावकों को कॉपी-किताबें, यूनिफार्म और अन्य शैक्षणिक सामग्री उपलब्ध कराने के उद्देश्य से जिला प्रशासन द्वारा अभिनव पहल की गई है। यहां गुरुवार 18अप्रैल से तीन दिनों तक सुभाष चौक स्थित साधुराम स्कूल परिसर में पुस्तक सह मतदाता जागरूकता मेला लगने जा रहा है।

प्रतिदिन शाम 4बजे से रात 9बजे तक आयोजित किये जाने वाले पुस्तक मेले को मतदाता जागरूकता की गतिविधि से भी जोड़ा गया है। पुस्तक एवं मतदाता जागरूकता मेला 20 अप्रैल तक चलेगा। इस मेले में पुस्तक विक्रेताओं द्वारा स्टॉल लगाये जायेंगे। इसक साथ ही विद्यार्थियों को अपनी पुरानी पुस्तकों को जमा करने हेतु बुक बैंक की स्थापना भी की जायेगी।

बुक सेलर्स एवं गणवेश विक्रेताओं के सहयोग से नो-प्रॉफिट नो-लॉस के आधार पर लगाये जा रहे इस मेले में कॉपी, किताब, यूनिफार्म, जूते, टाई और अन्य सभी शैक्षणिक सामग्रियों के अलग-अलग स्टॉल लगाये जायेंगे। मेले में बच्चों और अभिभावकों को मतदान के प्रति प्रेरित और प्रोत्साहित करने प्रतिदिन मतदाता जागरूकता गतिविधियां भी होंगी।

अधिकारियों की डियुटी लगी

पुस्तक एवं मतदाता जागरूकता मेले के आयोजन को लेकर कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी श्री अवि प्रसाद के निर्देश पर जिला पंचायत सीईओ श्री शिशिर गेमावत ने पुस्तक मेला में स्वीप गतिविधियों के आयोजन हेतु 6 अधिकारियों को दायित्व सौंपा है।

निर्वाचन स्वीप प्रचार -प्रसार का दायित्व प्राचार्य शासकीय कन्या महाविद्यालय डॉ चित्रा प्रभात को सौंपा गया है। जबकि मेला स्थल पर साफ- सफाई की व्यवस्था की जिम्मेदारी नगरनिगम आयुक्त विनोद कुमार शुक्ला को, अभिभावक और छात्रों से संबंधित तैयारी एवं बुक बैंक की स्थापना कार्य की जवाबदारी जिला शिक्षा अधिकारी पी पी सिंह को दी गई है। साथ ही सुरक्षा एवं यातायात व्यवस्था का दायित्व सी एस पी ख्याति मिश्रा और पुस्तक मेला में चिकित्सा व्यवस्था और खाद्य सामग्री की जांच का कार्य दायित्व सिविल सर्जन डॉ यशवंत वर्मा को सौंपा गया है।

समिति का गठन

पुस्तक मेला परिसर में समस्त कार्य दायित्वो के सफल संचालन हेतु 7 सदस्यीय समिति गठित की गई है। इस समिति के नोडल अधिकारी एस डी एम कटनी प्रदीप कुमार मिश्रा को बनाया गया है।

---

47 हजार रूपए की महुआ लाहन व मदिरा की जब्त

सहायक जिला आबकारी अधिकारी सूर्यभान कोरी के नेतृत्व मे आबकारी वृत्त कटनी क्रमांक 3 एवं विजयराघवगढ के ग्राम ढेडी, बिचपुरा, मानपुर, देवरी हटाई, चपना में अवैध कच्ची शराब के निर्माण की सूचना पर दबिश दी गई। दबिश के दौरान अलग अलग स्थानों से 435 किलोग्राम महुआ लाहन तथा 17 लीटर हाथ भट्टी महुआ मदिरा सहित 10 पाव देशी प्लेन मदिरा बरामद किया गया। लाहन का सेम्पल लेकर शेष लाहन मौके पर नष्ट किया गया। सम्पूर्ण कार्यवाही के दौरान मध्यप्रदेश आबकारी अधिनियम 1915 की धारा 34(1) क एवं 34(1) च के तहत कुल 04 आरोपियों के विरुद्ध प्रकरण पंजीबद्ध किये गये। जप्त किये गए महुआ लाहन की अनुमामित राशि लगभग 47 हजार रूपये है।

कलेक्टर की अध्यक्षता में आयोजित बैठक में नियम एवं निर्देशों की दी गई जानकारी

हरिभूमि न्यूज ⏭ कटनी

कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी अवि प्रसाद की अध्यक्षता मे मंगलवार को कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में आयोजित मान्यता प्राप्त राजनैतिक दलों की बैठक मे आयोग के निर्देशों के अनुरूप आदर्श आचार संहिता का पालन करते हुए प्रचार कार्य करने की जानकारी दी गई। बैठक में पुलिस अधीक्षक अभिजीत कुमार रंजन, उप जिला निर्वाचन अधिकारी साधना परस्ते, एडिशनल एस.पी. डॉ संतोष डेहरिया, एवं नगर निगम आयुक्त विनोद कुमार शुक्ला सहित राजनैतिक दलों के प्रतिनिधि और पदाधिकारी मौजूद रहे।

बैठक में राजनैतिक दलों को बताया गया कि भारत निर्वाचन आयोग द्वारा जारी आदर्श आचार संहिता का पालन सुनिश्चित किया जाये। चुनाव प्रचार कार्य में निर्वाचकों की जाति, संप्रदाय के आधार पर कोई भी अपील न की जाये। साथ ही मंदिरों मस्जिदों, चर्चो एवं गुरूद्वारों या किसी भी पूजा स्थल का भ्रमण, पोस्टर, संगीत आदि प्रचार कार्य के लिए इस्तेमाल नहीं किया जाये।

बैठक मे बताया गया कि मतदान केन्द्र के 100 मीटर के दायरे मे मतदान दिवस के दिन मतयाचना पूर्णतः वर्जित है। किसी भी राजनेतिक दल या अभ्यर्थी का इलेक्शन बूथ मतदान केन्द्र से 200 मीटर की दूरी पर बनाया जाये।

कलेक्टर के निर्देश पर खनिजों के अवैध परिवहन पर कार्यवाही

गिट्टी का अवैध परिवहन करने पर दो वाहनों से वसूल किया गया 52 हजार का जुर्माना

हरिभूमि न्यूज ⏭ कटनी

कलेक्टर अवि प्रसाद के निर्देश पर जिले में गौण खनिजों के अवैध उत्खनन एवं परिवहन के मामलों पर जिला प्रशासन द्वारा नियमित निगरानी की जा रही है। साथ ही खनिज गौंण के अवैध परिवहन में लिप्त वाहनों से निर्धारित प्रशमन शुल्क की राशि भी जमा कराई जा रही है। कलेक्टर अवि प्रसाद द्वारा खनिज के अवैध उत्खनन एवं परिवहन के मामलों में गंभीरता से कार्यवाही करने निर्देश पर खनिज विभाग द्वारा अवैध परिवहन में लिप्त दो वाहनों पर अनावेदकों से 52 हजार 50 रूपये का प्रशमन शुल्क जमा कराया गया है।

खनिज अधिकारी द्वारा प्रस्तुत प्रतिवेदन के अनुसार विगत 12 मार्च 2024 को ग्राम रजरवारा में आकस्मिक निरीक्षण के दौरान डम्फर वाहन क्रमांक एम.पी. 21 जी -1034 से अनावेदक परिवहनकर्ता लच्छू प्रसाद कोल पिता श्री बुद्धूराम कोल, निवासी पूंछी तहसील कटनी वाहन मालिक संतोष लाइम इंडस्ट्रीज निवासी सत्संग नगर पन्ना मोड कटनी द्वारा 1.5 धनमीटर गिट्टी का अवैध परिवहन करते पाये जाने पर वाहन जप्त करने की कार्यवाही की गई। उक्त कृत्य हेतु अनावेदक पर मध्यप्रदेश गौंण खनिज नियम 2022 के तहत कार्यवाही की जाकर 22 हजार 450 रूपये प्रशमन शुल्क अधिरोपित किया जाकर सूचना पत्र जारी किया गया।

जबकि एक अन्य प्रकरण में खनिज विभाग द्वारा आकस्मिक जांच के दौरान ग्राम देवसरी में डम्फर वाहन क्रमांक एम.पी. 21 एच-1503 से अनावेदक परिवहनकर्ता, सिब्बी लाल रजक पिता नत्थूलाल रजक निवासी खमतरा तहसील शाहनगर जिला पन्ना, वाहन मालिक ओमकार प्रसाद पटेल निवासी शिवाजी नगर कटनी द्वारा 2.00 धनमीटर गिट्टी का अवैध परिवहन करते पाए जाने पर वाहन जप्त किया जाकर 29 हजार 600 रूपये प्रशमन शुल्क अधिरोपित करते हुए सूचना पत्र जारी किया गया।

खनिज विभाग द्वारा गिट्टी के अवैध परिवहन के कृत्य पर मध्यप्रदेश गौण खनिज नियम 2022 के नियम 20 के तहत दोनों वाहनो पर अधिरोपित प्रशमन शुल्क हेतु अनावेदकों द्वारा प्रशमन शुल्क की जमा करनें का जवाब दिया गया। अनावेदकों पर अधिरोपित प्रशमन शुल्क की राशि 52 हजार 50 रूपये चालान के माध्यम से जमा कर दिये जाने के पश्चात विधि संगत कार्यवाही करनें हेतु प्रकरण कलेक्टर अवि प्रसाद के समक्ष वाहन मुक्त करनें की कार्यवाही हेतु प्रस्तुत किया गया।

कार्यवाही प्रस्तावित

कलेक्टर श्री प्रसाद द्वारा मध्यप्रदेश गौण खनिज नियम 2022 के तहत अनावेदक, परिवहनकर्ता द्वारा निर्धारित प्रशमन शुल्क की राशि जमा करनें के पश्चात जप्तशुदा वाहन को मय खनिज यदि किसी अन्य प्रकरण में वाहन की आवश्यकता न होने पर विधिवत वाहन मुक्त करने की कार्यवाही प्रस्तावित की गई है।

विद्यार्थियों ने लोगों को मतदान के लिए किया गया जागरूक

देश को सशक्त बनाने अपने मतधिकार का अवश्य करें उपयोग

हरिभूमि न्यूज ⏭ कटनी

लोकसभा निर्वाचन 2024 के मद्देनजर मतदाता जागरूकता अभियान के तहत शासकीय महाविद्यालय बरही मे संचालित राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई द्वारा स्वीप अभियान के तहत प्राचार्य प्रो. आर. के. त्रिपाठी के मार्गदर्शन, कार्यक्रम अधिकारी एवं स्वीप प्रभारी डॉ. अरविंद सिंह के नेतृत्व मे विभिन्न जागरूकता कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में छात्र राम तिवारी द्वारा स्थानीय भाषा में गीत के माध्यम से अपने विचारों को व्यक्त करने का प्रयास किया किया गया कार्यक्रम में महाविद्यालय में अध्ययनरत विद्यार्थियों द्वारा बढ़ चढ़कर सहभागिता की गई। इस दौरान छात्रों ने चुनाव एवं मतदान प्रक्रिया के विभिन्न पहलुओं पर गीत के माध्यम से प्रकाश डालते हुए मतदान के महत्व को बताने का प्रयास किया साथ ही आगामी लोकसभा चुनाव में लोगों मतदान केंद्रों में पहुंचकर मतदान हेतु प्रेरित करने के लिए अपने भाव प्रकट किये।

स्वीप प्रभारी डॉ. अरविंद सिंह ने बताया कि स्वीप गतिविधियों के अंतर्गत आयोजित हो रहे विभिन्न कार्यक्रमों का मुख्य उद्देश्य भावी, युवा एवं सभी मतदाताओं को मतदान के प्रति जागरूक करने के साथ मतदान का महत्व बताना एवं आगामी लोकसभा चुनावों में लोगों को अधिक से अधिक संख्या में मतदान केंद्रों तक पहुंचकर अपने मत देने के अधिकार का प्रयोग कर शत प्रतिशत मतदान के लक्ष्य को प्राप्त करने हेतु जागरूक करना है। प्राचार्य प्रो. आर. के. त्रिपाठी ने कहा कि आज देश को सशक्त बनाने के लिए जाति, धर्म, लिंग से ऊपर उठकर मतदान करने की आवश्यकता है साथ ही लोकतंत्र के इस सबसे बड़े महापर्व में सहभागिता करते हुए सभी को आगामी लोकसभा चुनाव में मतदान करने के लिए प्रेरित किया।

मतदान कर्मियों को दिए जाएंगे अलग-अलग रंग के परिचय पत्र

कटनी। लोकसभा का चुनाव कराने के लिए शहडोल संसदीय निर्वाचन क्षेत्र और खजुराहो लोकसभा क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले विधानसभा क्षेत्रों में शामिल कटनी जिले के 4विधानसभा क्षेत्रों में मतदान कराने नियुक्त मतदान कर्मियों को अलग-अलग रंग के फोटो पहचान पत्र जिला निर्वाचन कार्यालय द्वारा जारी किए जाएंगे। ये पहचान पत्र संबंधित विधानसभा क्षेत्र के बूथ लेबल अधिकारियों को भी प्रदान किए जाएंगे। शहडोल लोकसभा क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले विधानसभा क्षेत्र बड़वारा के मतदान कर्मियों को पीले रंग का फोटो पहचान-पत्र दिया जाएगा। जबकि खजुराहो लोकसभा क्षेत्र में शामिल कटनी जिले के विधानसभा क्षेत्र मुड़वारा के मतदान कर्मियों को गुलाबी रंग का पहचान पत्र, बहोरीबंद विधानसभा क्षेत्र के मतदान कर्मियों को हरा और विजयराघवगढ़ विधानसभा क्षेत्र के मतदान कर्मियों को नीले रंग का फोटो पहचान-पत्र दिया जाएगा।

आदतन अपराधी के विरुद्ध बाउंड ओवर की कार्यवाही

हरिभूमि न्यूज ⏭ कटनी

जिले में शांतिपूर्ण, निष्पक्ष, भय-रहित वातावरण में लोकसभा निर्वाचन को संपन्न कराने के उद्देश्य से असामाजिक तत्वों के विरुद्ध कठोर, प्रतिबंधात्मक कार्यवाही सुनिश्चित की जा रही है। इसी तारतम्य में कलेक्टर एवं जिला दंडाधिकारी अवि प्रसाद ने जिले के एक आदतन अपराधी के विरुद्ध राज्य सुरक्षा अधिनियम के तहत कार्यवाही करते हुए एक पर बाउंड ओवर की कार्यवाही करते हुए संबंधित क्षेत्र के थाना प्रभारियों को प्रतिबंधात्मक कार्यवाही करने का आदेश जारी किया हैं। कलेक्टर अवि प्रसाद ने उक्त कार्यवाही पुलिस अधीक्षक द्वारा प्रस्तुत प्रतिवेदन के आधार पर की है।

जिला दंडाधिकारी अवि प्रसाद द्वारा थाना कुठला अंतर्गत पहरूआ निवासी रामपति कोल 35 वर्ष के रासुअ के तहत बाउण्ड ओवर की कार्यवाही का आदेश जारी किया है। रामपति कोल के विरूद्ध वर्ष 2004 से अभी तक आठ आपराधिक प्रकरण चारी करनें, गाली गलौच करनें, मारपीटर करनें, हथियार लेकर लोगों को डरानें घमकानें, सट्टा खलाने जैसे पंजीबद्ध एवं विवेचना उपरांत न्यायालय में विचाराधीन है। रामपति कोल विरूद्ध समय- समय पर आपराधिक गतिविधियों मे अंकुश लगाने हेतु प्रतिबंधात्मक कार्यवाही किये जाने के बाद भी इसकी आपराधिक गतिविधियों में कोई सुधार नहीं हुआ। कलेक्टर अवि प्रसाद नें रामपति कोल पर बाउंड ओवर की कार्यवाही करते हुए 3 माह की अवधि तक माह माह मे एक दिवस अपनी उपस्थिति कुठला थाने में दर्ज कराने के निर्देश दिए है।

खबर संक्षेप

नाले में अटी पड़ी गंदगी, सड़कों पर बह रहा गंदा पानी

ढीमरखेड़ा। उमरियापान वार्ड नम्बर 4 और 5 में नाले का गंदा पानी सड़क पर बह रहा है। नाला कचरे और गंदगी से बजबजा रहा है। लोग बदबूदार दुर्गंध से परेशान है।जिससे कि संक्रमण फैलने का खतरा बना हुआ है,ग्रामीणों ने बताया कि वार्डवासियों की सबसे बड़ी समस्या नाला के पानी निकासी की है। नाला जब गदगी से भर जाता है तो नाले का गंदा पानी सड़क के ऊपर से बहने लगता है। सड़क पर नाले का गंदा पानी बहने से आवागमन में लोंगो को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। यह समस्या ग्रामीणों को आये दिन होती है।जिन लोगों को गंतव्य तक जाने के लिए सिर्फ इसी मार्ग का सहारा है, वे गंदे पानी के बीच से आने-जाने को विवश हैं।ग्रामीणों ने बताया कि इन दिनों चैत्र नवरात्र पर्व चल रही है। वार्ड में चार (धार्मिक स्थल) मन्दिर हैं। श्रद्धालुओं का सुबह शाम मंदिर आना जाना लगा रहता है। पूजा करने के लिए आने जाने वाले श्रद्धालु भी इसी गंदे पानी से होकर गुजरते हैं। जिससे उन्हें भी परेशानी होती है।वहीं वार्ड में सड़क भी जगह-जगह जर्जर हालत में है, उसकी मरम्मत कराने में जिम्मेदार उदासीन हैं।लोंगो का राह चलना भी दूभर हो गया है।

8 मतदाताओं ने किया मतदान, 7 रह गए वंचित

ढीमरखेड़ा। लोकसभा चुनाव को लेकर शहडोल संसदीय क्षेत्र में 19 अप्रैल को मतदान होना है। इससे पहले निर्वाचन आयोग द्वारा 85 वर्ष से अधिक आयु और 40 प्रतिशत से अधिक दिव्यांग मतदाताओं का घरों में ही मतदान करवाया जा रहा है।कटनी जिले की बड़वारा विधानसभा क्षेत्र में रविवार को दूसरे चरण में मतदान दल ने घर घर जाकर वोटिंग कराई। ढीमरखेड़ा तहसीलदार आशीष अग्रवाल ने बताया कि शहडोल लोकसभा अंतर्गत आने वाली बड़वारा विधानसभा में दूसरे चरण में 15 मतदाताओं में 8 ही लोगों ने होम वोटिंग किया है,जबकि 7 लोग ऐसे हैं जो घरों में नहीं मिले। जिससे की वो वोटिंग नहीं कर सके।अब इन्हें दुबारा मौका नहीं मिलेगा।रविवार को तीन मतदान दल बनाये गए थे।तहसीलदार ने बताया कि बड़वारा विधानसभा क्षेत्र में 346 मतदाताओं की होम वोटिंग होनी थी। पहले चरण में 8 अप्रैल को 331मतदाताओं ने वोटिंग किया। अब तक कुल 339 मतदाताओं की वोटिंग हुई। यानि कि बड़वारा विधानसभा में दोंनो चरणों में 98% मतदान हुआ है।

15 दिनों में आवेदन नहीं करने पर होगी जुर्माना एवं वैधानिक कार्यवाही

38 औद्योगिक, शैक्षणिक एवं पेट्रोल पंप संचालकों को जारी किया नोटिस

हरिभूमि न्यूज ⏭ कटनी

कलेक्टर अवि प्रसाद के निर्देश पर जिले के 38 औद्योगिक, शैक्षणिक एवं पेट्रोल पंप संचालकों द्वारा अग्निशमन उपकरणों के स्थापना कराते हुए सक्षम अधिकारी के समक्ष फायर सेफ्टी सर्टिफिकेट हेतु आवेदन प्रस्तुत न करने पर अपर जिला मजिस्ट्रेट द्वारा संबंधितों को नोटिस जारी करते हुए 15 दिवस के भीतर ई नगर पालिका पोर्टल के माध्यम से ऑनलाइन आवेदन करने के निर्देश दिए है। एक्सप्लोसिव एक्ट 1884 के तहत पेट्रोल पंप एवं आतिशबाजी पटाखा दुकानों सहित राष्ट्रीय भवन संहिता 2016 के तहत आने वाले भवनों में अग्निशमन उपकरणों की स्थापना एवं फायर सेफ्टी सर्टिफिकेट प्राप्त करना अनिवार्य है।

इन्हें मिला नोटिस

सक्षम अधिकारी के समक्ष फायर सेफ्टी सर्टिफिकेट प्राप्त नहीं करने वाले जिन 38 आवेदको को नोटिस जारी किया गया है उनमें मेसर्स ट्रूग्रीन एग्रो बायोटेक तहसील ढीमरखेड़ा, मेसर्स श्रीनिवास पद्मावती कोल्ड स्टोरेज मझगवां तहसील कटनी, मेसर्स किड्स केयर पब्लिक स्कूल ग्राम पौड़ी तहसील कटनी, दिल्ली पब्लिक स्कूल ग्राम चाका, ग्रेस मिशन इंग्लिश मिडियम स्कूल उमरियापान तथा एक्सप्लोसिव एक्ट के तहत स्थापित पेट्रोल पंप में मेसर्स के सी सेल्स एण्ड सर्विसेज पिपरोध, मेसर्स जे के स्टोन क्रेशर विजयराघवगढ, आदित्य प्रकाश अग्रवाल कन्हवारा, पारस फिलिंग स्टेशन चनहेटी, रामकिशोर बाजपेयी ग्राम द्वार, विपिन गर्ग ग्राम गुलवारा, मनोज डुमार मुरवारी ढीमरखेड़ा, प्रीति वर्मा ग्राम तेवरी, मेसर्स महालक्ष्मी मिनरल्स माइंस कैमोर, विवेक मिश्रा ग्राम कौड़िया, श्रीमती मधू गुप्ता बहोरीबंद, श्रीमती सुरेखा मौर्य ग्राम मझगवां, शुभांशु चौधरी उमरियापान, गौरव कुशवाहा जे के पेट्रोल्यूक्स, धमेंद्र सिंह प्रोपराईटर, कृष्णा फिलिंग स्टेशन ग्राम मझगवां कटनी, कपिल गुप्ता ग्राम खितौली, दिलीप राय देवगांव, कृष्ण मोटर्स प्रो. संजय चौदहा कटनी, श्रीमती साधना जैन स्लीमनाबाद, मयंक गर्ग मझगवां, रंजन ग्रोवर भैंसवाही, श्रीमती किरण सिंह ग्राम पौनिया, श्रीमती सखी बाई बडागांव रीठी, भगवान सिंह गौड़ ग्राम उबरा, आदित्य दुबे ग्राम दशरमन, अभय बगडिया ग्राम झिंझरी एवं आतिशबाजी दुकानों हेतु शहंशाह तहसील बरही, अभिनंदन शर्मा लमतरा, घनश्याम डोडानी, मे. साक्षी इंटरप्राइजेज जुहला, मोह. एजाज बड़वानी, मोह. असलम बड़वारा शामिल है।

15 दिवस में करना होगा आवेदन

अग्निशमन दुर्घटनाओं से बचाव एवं सुरक्षा दृष्टिगत रखते हुए एवं मध्यप्रदेश नगरीय विकास एवं आवास विभाग मंत्रालय के प्रावधानानुसार नोटिस के प्राप्ति से 15 दिवस के भीतर सक्षम फायर इंजीनियर से फायर ऑडिट, सक्षम प्राधिकारी द्वारा जारी विद्युत सुरक्षा संबंधी इलेक्ट्रिक आडिट रिपोर्ट तथा शपथ पत्र आदि संलग्न करते हुये ई नगर पालिका पोर्टल के माध्यम से ऑनलाइन आवेदन प्रस्तुत करना सुनिश्चित करे ताकि स्थल का निरीक्षण कराकर फायर सेफ्टी सर्टिफिकेट जारी करने की कार्यवाही की जा सके। निर्धारित समयावधि में अग्निशमन उपकरणों की स्थापना नही होने एवं फायर सेफ्टी सर्टिफिकेट प्राप्त नहीं करने की दशा में जुर्माना कार्यवाही की जावेगी।

अग्नि सुरक्षा प्रावधान

राष्ट्रीय भवन संहिता के तहत सभी भवनों में अग्नि सुरक्षा संबंधी प्रावधान भवन स्वामी द्वारा कराना अनिवार्य है। जो 15 मीटर ऊंचे सभी भवन और एक तल पर 500 वर्गमीटर से अधिक निर्मित क्षेत्रफल वाले समस्त भवन। लेकिन इसमें आवासीय एवं धार्मिक एवं सामुदायिक भवनों को छोड़कर। कोई भी होटल, अस्पताल जिसमें 50 से अधिक पलंग व बिस्तर हो। जबकि 50 से कम पलंग, बिस्तर वाले अस्पताल, होटल स्वयं पालन कर पंजीकृत फायर इंजीनियर का प्रमाणीकरण प्रस्तुत करेंगे तथा संचालन के लाइसेंस अनुमति के समय सक्षम अधिकारी को प्रस्तुत करेंगे।

मतदान दलों का चार दिनी प्रशिक्षण 21 से होगा प्रारंभ

हरिभूमि न्यूज ⏭ कटनी

चार शैक्षणिक संस्थानों में 3891 मतदान कर्मियों को 48 मास्टर ट्रेनरों द्वारा दिया जायेगा प्रशिक्षण

निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार लोकसभा निर्वाचन 2024 अंतर्गत 3891 मतदान कर्मियों का प्रशिक्षण जिले के 4 शैक्षणिक संस्थानों पॉलिटेक्निक महाविद्यालय कटनी, सेंटपाल उच्चतर माध्यमिक विद्यालय झिंझरी, नालंदा महाविद्यालय झिंझरी तथा सीएम राईज स्कूल झिंझरी के कुल 24 कक्षों में 21 अप्रेल से 24 अप्रैल तक आयोजित किया जाना है। यह प्रशिक्षण प्रातः 10:30 बजे से शाम 4:30 बजे तक आयोजित किया जायेगा।

मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत एवं नोडल अधिकारी प्रशिक्षण शिशिर गेमावत द्वारा आदेश जारी कर मतदान दलों के कर्मियों को प्रशिक्षण प्रदान करनें हेतु जिला स्तर एवं विधानसभा स्तर के 48 मास्टर ट्रेनर्स को नियुक्त किया जाकर नियत तिथियों में प्रशिक्षण केन्द्रों में उपस्थित होकर प्रशिक्षण प्रदाय करने के निर्देश दिए है। प्रशिक्षण हेतु 11 मास्टर ट्रेनरों की रिर्जव में डियूटी लगाई गई है।

लोकसभा निर्वाचन हेतु 21 अप्रेल से 24 अप्रैल तक आयोजित प्रशिक्षण अंतर्गत पॉलीटेक्निक महाविद्यालय के कक्ष क्रमांक 1 से 10 तक में कुल 20 मास्टर ट्रेनर्स द्वारा 1626 कर्मचारियों को प्रशिक्षण प्रदान किया जायेगा। जबकि सेंटपॉल स्कूल झिंझरी के 7 कक्षों कक्षों क्रमांक 1 से 8 तक में कुल 116 मास्टर ट्रेनर्स द्वारा 1257 मतदान कर्मियों को प्रशिक्षण प्रदान किया जायेगा। नालंदा महाविद्यालय झिंझरी के दो कक्षों कक्षों में कुल 4 मास्टर टेनर्स द्वारा 240 मतदान कर्मियों को प्रशिक्षण प्रदान किया जायेगा। जबकि सीएम राइज स्कूल झिंझरी के 4 कक्षों में 8 मास्टर ट्रेनर्स द्वारा 768 कर्मचारियों को प्रशिक्षण प्रदान किया जायेगा।

व्यवस्थाओं के निर्देश

मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत एवं नोडल अधिकारी प्रशिक्षण शिशिर गेमावत ने शैक्षणिक संस्था प्रमुखों को प्रशिक्षण केन्द्र में बैठक, प्रकाश व्यवस्था एवं पेयजल व्यवस्था कराने के निर्देश दिए है।

माधवनगर पुलिस ने जांच अभियान के दौरान की कार्रवाई

तीन किलो गांजा बेचने की फिराक में था तस्कर, पुलिस ने किया गिरफ्तार

हरिभूमि न्यूज ⏭ कटनी

माधवनगर पुलिस ने एक तस्कर के पास से 3 किलो गांजा बरामद किया है। माधवनगर थाना प्रभारी अनूप सिंह ने बताया कि एसपी अभिजीत कुमार रंजन के निर्देशन एवं एडि एसपी संतोष डेहरिया, सीएसपी ख्याति मिश्रा के मार्गदर्शन में लोकसभा चुनाव के दृष्टिगत सघन चेकिंग एवं अवैध मादक पदार्थों क्रय विक्रय करने वालों के विरूद्ध प्रभावी कार्यवाही करने में सफ़लता मिली है

गत दिवस थाना प्रभारी मय पुलिस दल बल के क्षेत्र में लगातार सघन चेकिंग हेतु अलग अलग क्षेत्र में रवाना किया गया था दौरान भ्रमण एवं चेकिंग के जरिये मुखविर सूचना मिली कि माधवनगर रेल्वे स्टेशन के पास एक व्यक्ति सफेद बोरी में मादक पदार्थ गांजा बेचने की फिराक में संदिग्ध हालत में खड़ा है की सूचना तस्दीक हेतु हमराह स्टाफ के मौके पर पहुंचते ही संदिग्ध व्यक्ति पुलिस को देखकर भागने का प्रयास किया जिसे पुलिस ने घेराबंदी कर पकड़ा तथा मौके पर उपस्थित राहगीर साक्षियों के समक्ष उसके कब्जे में लिये सफेद रंग की बोरी को चेक किया जो उस बोरी के अन्दर अवैध मादक पदार्थ गांजा रखे मिला जिससे अवैध मादक पदार्थ गांजा रखने के संबंध में वैध दस्तावेज मांगा गया जो कोई दस्तावेज व लाईसेंस न होना बताया तथा नाम पूछने पर अपना नाम नंदकिशोर पिता मदनलाल यादव उम्र 45 वर्ष नि. अमीरगंज थाना माधवनगर का होना बताया। जिसके कब्जे से 3 किलो 100 ग्राम मादक पदार्थ गांजा कीमती 31,000 रुपये का समक्ष गवाहान जप्त कर कब्जा पुलिस लिया गया । आरोपी को अपराध धारा 8/20 एन डी पी एस एक्ट में गिरफ्तार कर माननीय न्यायालय पेश किया गया जो आरोपी को न्यायालय द्वारा न्यायिक अभिरक्षा में जिला जेल भेजा गया है।

कार्यवाही में में सउनि राजेश बागरी, आर.गौरव गिरि आर. रणविजय यादव, वाहन चालक, ओम शिव तिवारी की सराहनीय भूमिका रही।

दीप जलाकर मतदाताओं को मतदान के लिए किया प्रेरित

भारत निर्वाचन आयोग के निर्देश अनुसार एवं कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी अवि प्रसाद के मार्गदर्शन में लोकसभा निर्वाचन 2024 के तहत आयोजित मतदाता जागरूकता अभियान के तहत स्वीप गतिविधियों के माध्यम से मतदाताओं को मतदान के प्रति प्रेरित किया जा रहा है। जिला पंचायत के के सीईओ एवं नोडल अधिकारी स्वीप शिशिर गेमावत के निर्देशन मे सोमवार को जनपद पंचायत बड़वारा के हनुमान मंदिर प्रांगण में संध्याकालीन बेला पर स्थानीय जन समुदाय की उपस्थिति में दीपोत्सव कार्यक्रम का आयोजन किया जाकर अपने मतदाधिकार का प्रयोग करने का संदेश दिया गया। कार्यक्रम के दौरान उपस्थित जनों द्वारा मतदाता जागरूकता शपथ ली गई।

निगमायुक्त ने दी चेतावनी, सीएम हेल्प लाइन की शिकायतों को गंभीरता से लें

हरिभूमि न्यूज ⏭ कटनी

निगमायुक्त विनोद कुमार शुक्ल द्वारा सीएम हेल्पलाइन की समीक्षा बैठक 16 अप्रैल मंगलवार को आयोजित की, बैठक के दौरान निगमायुक्त द्वारा नगर निगम के विभिन्न विभागों जैसे भवन अनुज्ञा, स्वास्थ्य, पेयजल, सिविल, विद्युत, योजना शाखा, स्थापना पेंशन, सामान्य प्रशासन, सीवेज के लंबित प्रत्येक शिकायत से अवगत होते हुए उनके निराकरण के लिए संबंधित विभाग द्वारा की गई कार्यवाही व दर्ज विभागीय निराकरण प्रतिवेदन का अवलोकन कर शेष लंबित शिकायतों का शिकायतकर्ता से संपर्क कर शीघ्र ही संतुष्टिपूर्ण निराकरण करानें के निर्देश दिए तथा स्पष्ट कहा कि सभी शिकायतकर्ताओं से बात कर समस्याओं का समाधान हर हाल में किए जाने तथा ऐसा न करने वाले जिम्मेदार अधिकारी कर्मचारी कार्यवाही के लिए तैयार रहें। 50 दिन या उससे अधिक दिवसों की लंबित शिकायतों का गंभीरता से परीक्षण कर संबंधित शिकायतकर्ता से चर्चा करते हुए उन्हें संतुष्टिपूर्वक निराकृत कराएं ताकि अधिक से अधिक शिकायतों का निराकरण हो सके। बैठक में कार्यपालन यंत्री केपी शर्मा, प्रभारी स्वास्थ्य अधिकारी संजय सोनी, सहायक यंत्री सुनील सिंह, अनिल जायसवाल, उपयंत्री अश्वनी पांडे, जेपी बघेल, पवन श्रीवास्तव, शैलेंद्र प्यासी, मृदुल श्रीवास्तव, मोना करेरा, रविशंकर पांडे एवं अन्य अधिकारी कर्मचारियों की उपस्थिति रही।

अस्पताल की ओपीडी के बाहर वाहनों की कर रहे पार्किंग

चिकित्सकों की बजाये नर्स व वार्ड ब्वाय करते नजर आये घायलों का उपचार

हरिभूमि न्यूज ⏭ कटनी

जिला अस्पताल में लगातार सुविधाओं का विस्तार किया जा रहा है लेकिन अधिकारी, कर्मचारियों की लापरवाही से मरीजों को सही समय पर उपचार नहीं मिल पा रहा है। ऐसा ही नजारा रविवार की रात को देखने को मिला, जब पीरबाबा के पास सड़क दुर्घटना में घायल हुए चार युवकों का इलाज चिकित्सकों के स्थान पर वार्ड ब्वाय और गार्ड करते नजर आए।

दरअसल नैंगवां गांव निवासी देवी सिंह, सचिन सिंह व सूरज सिंह तीनों कटनी में मिल में काम करते हैं। रविवार की रात को मोटर साइकिल पर सवार होकर तीनों कटनी मिल में रात्रि में काम करने आ रहे थे। तीनों मोटर साइकिल से जैसे ही माधवनगर थाना के पीरबाबा के पास पहुंचे, उनकी मोटर साइकिल पैदल जा रहे एक युवक से जा भिड़ी। दुर्घटना में मोटर साइकिल दूर जाकर गिरी और उसमें सवार युवकों के साथ पैदल जा रहे युवक को भी गंभीर चोट आई। राहगीरों की सूचना पर चारों घायलों को एम्बुलेंस से रात को जिला अस्पताल भेजा गया।

आकस्मिक ओपीडी में घायलों का इलाज एकमात्र नर्स करती नजर आई, जबकि उसकी मदद को वार्ड ब्वाय और गार्ड ही मौजूद थे। खून से लथपथ युवक आधे घंटे तक इलाज का इंतजार करते नजर आए। लोगों ने बताया कि यह पहला मामला नहीं है। पहले भी इस तरह की घटनाओं में लोगों को वार्ड ब्वाय व गार्ड के सहारे ही इलाज मिलता रहा है।

जिला अस्पताल में आने वाले कर्मचारियों व मरीजों आदि के लिए स्टैंड की सुविधा उपलब्ध कराई गई है। उसके बाद भी रात्रिकालीन ड्यूटी करने वाले अधिकांश कर्मचारियों के वाहन निर्धारित स्टैंड में खड़े नहीं होते हैं। चिकित्सकों की ओपीडी के बाहर ही एक दर्जन से अधिक वाहन भवन के अंदर खड़े किए जाते हैं और उनको रोक-टोक करने वाला कोई नहीं है। रात को ओपीडी के सामने से मरीजों को वार्ड में शिफ्ट करने के दौरान खड़े वाहनों के कारण परेशानी होती है। दूसरी ओर जिला अस्पताल के अधिकारी भी रात को पहुंचते हैं लेकिन उनको भवन के अंदर खड़े दोपहिया वाहन नजर नहीं आते हैं।

जागरूकता वाहन के माध्यम से नागरिकों को मतदान हेतु किया जा रहा प्रेरित

मतदान के महत्व की जानकारी देकर मतदाताओं को कर रहे जागरूक

हरिभूमि न्यूज ⏭ कटनी

लोकसभा निर्वाचन 2024 में मतदाताओं को अधिक से अधिक मतदान करने के लिए प्रेरित करने के उद्धेश्य से विधानसभा क्षेत्र 93 मुड़वारा में एक जागरूकता वाहन के माध्यम से प्रचार प्रसार विगत दिवसों से किया जा रहा है। 16 अप्रैल को जवाहर लाल नेहरू वार्ड, वंशस्वरूप वार्ड, छकौडी लाल पाठक वार्ड के एमपीईबी कालोनी हाउसिंग बोर्ड, नेपाली मोहल्ला, बजरंग कालोनी, सुधार न्यास कार्यालय क्षेत्र, द्वारका सिटी, भुमियां टोला, बिलि कुक मार्ग, गढढा टोला, चंदी की दफाई, सीएलपी शाला मार्ग, रामप्रसाद पाण्डेय मार्ग, पाठक गली, पाठक की दफाई, महाजन टाल गली, बलखंडी मढिया मार्ग क्षेत्र, धर्मी बाई चौराहा में जागरूकता वाहन के माध्यम से मतदाताओं को अधिक से अधिक मतदान करने के लिए प्रेरित किया गया। साथ ही 17 अप्रैल को रामनिवास सिंह वार्ड, कावसजी वार्ड, फारेस्टर वार्ड एवं विवेकानंद वार्ड, भीमराव चौक से शमशान भूमि मार्ग, डायर्स कंपनी का क्षेत्र, बसोर टोला का टिकुरा क्षेत्र, दुर्गा मंदिर क्षेत्र, हरिजन बस्ती एवं चैधरी बस्ती, भारत चैक, ज्ञान विद्या मंदिर का क्षेत्र, रंगनाथ मंदिर क्षेत्र, एम्बूलेंस रोड, विवेकानंद चौक, खेरमाई का क्षेत्र, नया गांव क्षेत्र में जागरूकता वाहन के माध्यम से मतदाताओं को अधिक से अधिक मतदान करने के लिए प्रेरित किया जावेगा।

मतदाता पर्ची वितरण की निगरानी हेतु दल गठित

मतदाताओं को मतदान के प्रति जागरूक करने हेतु स्मार्ट मतदाता बने मतदाता मार्गदर्शिका के साथ मतदाता पर्चियां का वितरण समय पर बी एल ओ द्वारा घर-घर जाकर किया जाए इसे सुनिश्चित करने हेतु नगर निगम आयुक्त विनोद कुमार शुक्ल के आदेशानुसार उपायुक्त पीके अहिरवार द्वारा आदेश जारी कर नगरीय सीमांतर्गत वार्ड में पर्चियों के वितरण सत्यापन हेतु निकाय के अधिकारियों क्षेत्रीय स्वच्छता प्रभारियों के सुपरविजन में सहायक राजस्व निरीक्षक व वार्ड दरोगाओं के विभिन्न दल गठित करते हुए कार्यपालन यंत्री सुधीर मिश्रा को प्रभारी अधिकारी बनाया गया है। सभी कर्मचारियों द्वारा अपने वार्ड के बी एल ओ से समन्वय बनाकर मतदाता पर्ची का वितरण समय सीमा में पूर्ण कराए जाने तथा प्रतिदिन की रिपोर्ट प्रस्तुत किए जाने हेतु निर्देश दिए हैं ।

नवरात्रि के अवसर पर जिले भर के धार्मिक स्थलों में आयोजित हुई मतदाता जागरूकता गतिविधियां

कटनी। कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी अवि प्रसाद के निर्देशन एवं नोडल अधिकारी स्वीप तथा सीईओ जिला पंचायत शिशिर गेमावत के निर्देशन में लोकसभा निर्वाचन 2024 में मतदाता जागरूकता के उद्देश्य से स्वीप गतिविधियों के तहत सोमवार को ऑर्डिनेंस फैक्ट्री माता मंदिर परिसर में मतदाताओं को अपने मताधिकार का प्रयोग करने के लिए प्रोत्साहित करने हेतु मतदान दीपोत्सव का आयोजन किया गया। इस दौरान उपस्थित लोगों को मतदान करने का संकल्प दिलाकर प्रजातांत्रिक व्यवस्था में भाग लेने के लिए प्रोत्साहित किया गया। इस दौरान बताया गया कि प्रजातंत्र की मजबूती के लिए हर मतदान जरूरी है। इस अवसर पर उपस्थित जनों को जनपद पंचायतों एवं सभी नगरीय निकायों के धार्मिक स्थलों सहित ऑर्डिनेंस फैक्ट्री माता मंदिर में मतदाता शपथ कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम के दौरान डॉ. चित्रा प्रभात प्राचार्य कन्या महाविद्यालय, वनश्री कुर्वेती, डी.पी.सीके.के.डेहरिया, परियोजना अधिकारी मृगेन्द्र सिंह, माधुरी गर्ग, दिनेश विश्वकर्मा जिला प्रबंधक, उपायुक्त नगर निगम पवन अहिरवार, जागेश्वर पाठक, अनिल जायसवाल, आदेश जैन, राजेश पटेल, संदीप पुरवार सहित अन्य स्थानीय नागरिक एवं भक्तजन और श्रद्वालु मौजूद रहे।

छात्र छात्राओं ने मनाई बाबा साहब की जंयती

हरिभूमि न्यूज ⏭ ढीमरखेड़ा

आजाद भारत के पहले काननू मंत्री थे डॉ. भीमराव अंबेडकर

भारत रत्न, संविधान निर्माता, डॉ.भीमराव आंबेडकर की 133वीं जयंती मनाई गई। उमरियापान शासकीय महाविद्यालय में सीएमसीएलडीपी के छात्र छात्राओं ने डॉ. भीमराव आंबेडकर के चित्र पर माल्यार्पण किया और पुष्पांजलि अर्पित किया।इस मौके पर सेक्टर प्रभारी प्रकाशनाथ साहू,स्टूडेंट्स सतेंद्र सिंह राजपूत,आकाश सिंह सहित अन्य ने बाबा साहब के जीवन पर प्रकाश डालते हुए बताया कि बाबा साहब द्वारा शोषित एवं पिछड़े वर्ग के लोगों के उत्थान के लिए अपना पूरा जीवन लगा दिया और शोषित और पिछड़ों की शिक्षा और उन्नाति के लिए प्रयास किए।अंग्रेजों की गुलामी की बेड़ी तोड़कर, भारत लगभग 200 सालों बाद आजाद हुआ, लेकिन देश को सुचारू ढंग से चलाने के लिए कानून की जरूरत थी, इस तरह डॉ. भीमराव अंबेडकर की अध्यक्षता में भारतीय संविधान का गठन किया गया और बाबा साहेब आजाद भारत के पहले कानून मंत्री बनें।

उन्होंने बताया कि विवाह में जाति के महत्व को खत्म करने, तलाख के नियम और गोद लेने के लिए नियमों को पारित करने पर चर्चा की गई थी, लेकिन उनके इस बिल को कैबिनेट में पास होने की मंजूरी नहीं दी गई। इस बिल के पास न होने की वजह से हीं 1951 में डॉ. भीमराव अंबेडकर ने कानून मंत्री के पद से इस्तीफा दे दिया।इस मौके पर सेक्टर प्रभारी अंकित झारिया, परामर्शदाता धर्मेन्द्र गर्ग,शैलेश दुबे, सुमित सिंह ठाकुर, सुरेश दुबे,अमर सिंह जोगी सहित सीएमसीएलडीपी छात्र छात्राओं की उपस्थिति रही।

खबर संक्षेप

पुण्यतिथि पर कराया दुर्गा चालीसा पाठ

हटा। चैत्र नवरात्रि के महापर्व पर चारों ओर माता के भक्ति भक्ति आराधना में लीन है जगह-जगह धार्मिक अनुष्ठान दान पुण्य कर धर्मलाभ ले रहे हैं इसी क्रम में नवरात्रि की अष्टमी पर नगर के वरिष्ठ समाजसेवी बजाज एजेंसी के संचालक पंडित ओमप्रकाश गर्ग द्वारा अपने पूज्य पिता जी स्वर्गीय पंडित श्री रामचरण गर्ग एवं पूज्य बड़े भाई स्वर्गीय पंडित श्री विजय गर्ग जी की तृतीय पुण्यतिथि पर मां चंडी जी के प्रांगण में दुर्गा चालीसा पाठ एवं कन्या भोज का आयोजन किया गया जिसमें सैकड़ो माता के भक्तों ने पहुंचकर दुर्गा चालीसा पाठ में शामिल होकर श्रद्धा-सुमन अर्पित किए।

एकता परिषद व्दारा मतदाता जागरूकता बैठकों का आयोजन

हिण्डोरिया। महान गांधीवादी विचारक, अहिंसात्मक आन्दोलनों के प्रवर्तक डा. राजगोपाल पी. व्ही. के कुशल मार्गदर्शन में देश-दुनिया भर में वंचितों के हक-अधिकार दिलाने सतत सक्रिय जन संगठन म. प्र. एकता परिषद के बैनर तले आगामी लोकसभा चुनाव में मतदान का प्रतिशत बढ़ाने एवं मतदाताओं में मतदान के प्रति व्यापक समझ का निर्माण करने की गरज से विशाल मतदाता जागरूकता बैठकों का आयोजन किया जाएगा। इस संबंध में एकता परिषद के पूर्व राज्य समन्वय सुजात्त खान, अयोध्या प्रसाद, भूपेन्द्र सिंह, बलराम पटेल, लल्लू सिंह आदिवासी, रक्कू आदिवासी, परसू सिंह आदिवासी, सुन्दर गौड़ ने बताया कि दमोह जिले के मड़ियादो के जंगल में बसे गाँव उदयपुरा मे 19 अप्रैल 2024 को एवं कुम्हारी चीलघाट के जंगल मे स्थित गाँव ढौंडा.में 21 अप्रेल 2024 को विशाल मतदाता जागरूकता बैठकों का आयोजन होगा।

नोडल अधिकारी नियुक्त

दमोह। भारत निर्वाचन आयोग द्वारा दिये गये निर्देशों के तहत अपर कलेक्टर एवं उप जिला निर्वाचन अधिकारी मीना मसराम ने अनुपस्थित मतदाताओं के लिए मतदान संपन्न कराये जाने के कार्य हेतु नोडल अधिकारियों को पदाविहित किया है। उन्होंने कार्यक्षेत्र पथरिया, दमोह, जबेरा एवं हटा के लिये अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व), हटा एवं सहायक रिटर्निंग ऑफीसर 07 दमोह संसदीय क्षेत्र राकेश मरकाम को नोडल अधिकारी नियुक्त किया है। इसी प्रकार कार्यक्षेत्र रहली के लिये अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) एवं सहायक रिटर्निंग ऑफीसर रहली, देवरी के लिये अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) एवं सहायक रिटर्निंग ऑफीसर देवरी, बण्डा के लिये अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) एवं सहायक रिटर्निंग ऑफीसर बण्डा एवं मलहरा के लिये अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) एवं सहायक रिटर्निंग ऑफीसर मलहरा को नोडल अधिकारी नियुक्त किया गया है।

गुड्डा राय का निधन

रनेह। राय समाज के प्रतिष्ठित पत्रकार सुंदर लाल राय गुड्डा उम्र 55 वर्ष का बीमारी के चलते दुखद निधन हो गया। श्री राय अपने पीछे रोता बिलखता परिवार छोड़ गए। अंतिम शव यात्रा में सभी वर्ग के लोगों ने सम्मिलित होकर शोक संवेदना व्यक्त की। परिवारजनों को सांत्वना दी।

दिव्य शिव लिंग, संकट मोचन भगवान की प्रतिमाएं

घने जंगल में आज भी विराजमान हैं रानी दुर्गावती की कुलदेवी मां दुर्गा

हरिभूमि न्यूज ⏭ सिग्रामपुर

सिंग्रामपुर से 6 किमी दूर सिंगौरगढ़ किला के ठीक सामने रानी दुर्गावती टाइगर रिजर्व में अति प्राचीन 13वीं शताब्दी में बना वीरांगना रानी दुर्गावती की कुलदेवी का स्थान है। जहां पर आज भी मढिया में एक पत्थर पर दुर्गा मां की पत्थर की प्रतिमा रखी है। मढिया के पास दो शिवलिंग के साथ हनुमानजी की प्रतिमा है। पहाड़ी के नीचे कभी न खाली होने वाला जल कुंड है। इसी जलकुंड में लगी पत्थरों की सीढ़ियां हैं। बताया गया है कि यह स्थान रानी दुर्गावती की कुलदेवी का है। जहां पर सिगोरगढ़ किला के हांथी दरवाजे से हांथी सवार होकर रानी नित्य प्रतिदिन नीचे के कुंड से जल लेकर मां को चढ़ाती थीं और पूजन करती थीं।मढ़ा की स्थिति भले ही खंडहर में तब्दील हो गई है, लेकिन यह सभी प्रतिमाएं अभयारण्य क्षेत्र में होने की वजह से सुरक्षित दुर्लभ विराजमान हैं। जहां पर आज जानकर लोग लोग पर्व विशेष पर पूजन करने के लिए जाते हैं। अभयारण्य के चौकीदार मुलायम बाबा का कहना है कि यह स्थान रानी दुर्गावती की कुल देवी की मड़िया नाम से जाग्रत है। जहां पर रानी नित्य पूजा करने को आती थीं। उनकी कुलदेवी दुर्गा मां प्रतिमा आज भी विराजमान है। मड़िया के पास दो शिव लिंग हैं। जिनकी एक दिव्य शिव लिंग जलहरी में विराजमान हैं। दूसरा शिवलिंग की जलहरी खंडित हो गई है, लेकिन शिवलिंग पूरी तरह से सुरक्षित पत्थरों के बीच है। वहीं एक हनुमान जी प्रतिमा भी है। गौरतलब है कि गौंड़ शासक संग्राम शाह के अधिपत्य वाले सिंगौरगढ़ को उनकी मृत्यु उपरांत उनके पुत्र दलपत शाह ने सिंगौरगढ़ को राजधानी के रूप में विकसित किया गया था। उसके पहले मड़िया का निर्माण हो चुका था। इसे स्थान 52बजरिया के नाम से भी जाना जाता हैं पूर्व केंद्रीय मंत्री कर चुके हैं दौराः पूर्व केंद्रीय पर्यटन व संस्कृति मंत्री प्रहलाद पटेल ने मड़िया का निरीक्षण करके मड़िया तक जाने का रास्ता व मड़िया जीर्णोद्धार की स्वीकृति प्रदान की है। चार वर्ष पहले पर्यटन व संस्कृति केंद्रीय मंत्री प्रहलाद पटेल ने मड़िया का निरीक्षण करते हुए यहां विराजमान प्रतिमाओं के चारों ओर पूजा स्थल एवं कुंड तक पहुंचने वाली सीढ़ियों की मरम्मत कराने के आदेश दिए थे। जिसके वाद वन विभाग व पुरातत्व विभाग टीम ने यहां का रानी दुर्गावती की कुलदेवी मड़िया के दर्शन अवलोकन किया गया था और जीर्णोद्धार कार्य के लिए विभागीय अधिकारियों को निर्देशित किया जा चुका है। हालांकि अभी तक यहां पर कोई कार्य शुरू नहीं हुआ हैं बताते हैं यहां पर पांच मढिया हुआ करती थी जिसके बिखरे पत्थरों के अवशेष मिलते हैं और वीरांगना रानी दुर्गावती की कुल देवी की मढिया मैं आज भी मां दुर्गा कुलदेवी की प्रतिमा सुरक्षित विराजमान है।

दुर्गाष्टमी पर श्री राम बने मां दुर्गा

राम जन्मोत्सव के दौरान झूले में झूलेंगे रामलला

हरिभूमि न्यूज ⏭ दमोह

दमोह जिला मुख्यालय में आज भी एक प्राचीन देवस्थान श्रीराम मंदिर है जहाँ श्रीराम को राजा मानकर दरबार में अर्जी लगाई जाती है। मराठा कालीन प्राचीन श्रीराम मंदिर अपनी कई अनूठी एवं पारंपरिक संस्कृति के लिये बुंदेलखण्ड क्षेत्र में विख्यात है। प्राचीन श्रीराम मंदिर के चैत्र नवरात्र उत्सव की शुरूआत नववर्ष संवत्सर के प्रथम दिन गुड़ी (एक प्रकार का झंडा) बाँधकर की जाती है। ब्रह्म मुहूर्त में सूर्योदय के समय शंख ध्वनि के साथ इसकी शुरूआत होती है और फिर नवदिन अलग-अलग नौ झाँकियों की अद्भुत और अनूठी परंपरा आकर्षण का केन्द्र होती है। प्रथम दिवस राम दरबार, द्वितीय दिवस अष्वारूढ़, तृतीय दिवस गजारूढ़, चतुर्थ दिवस भगवान राम के विग्रह राजगद्दी पर विराजते हैं। दमोह के प्रतिष्ठित के सोनवलकर परिवार के वंषजों ने आज भी इस परंपरा को सजीव और जीवंत रखा है। पंचमी के दिन भगवान राम षिव और माँ सीता पार्वती के रूप में परिणित होते हैं, छठवें दिवस भगवान राम विष्णु और माँ लक्ष्मी का रूप परिवर्तन होता है। सप्तम दिवस श्रीराम दरबार वृंदावन के राधेकृष्ण दरबार में परिणित हो जाता है। इसी क्रम में चैत्र नवरात्रि की अष्टमी को प्रभु श्रीराम अष्टभुजा माँ दुर्गा का रूप धारण करते हैं। प्रभु की छवि इतनी अनूठी होती है कि प्रथम बार आये श्रद्धालु को यह आष्चर्य होता है कि राम मंदिर में माँ दुर्गा का दरबार सजीव रूप में सजा हुआ है। माँ की चौकी और रात्रिकालीन भगतें उपस्थित भक्तजनों को आनंद विभोर कर देती हैं। सोनवलकर परिवार की नौवीं पीढ़ी के पं. वैभव सोनवलकर झाँकी का निर्माण करने में प्रमुख भूमिका निभाते हैं। श्रीराम नवमीं के दिन भगवान रामलला बालरूप में झूले में झुलाने के लिये मंदिर परिसर के बाहर आते हैं वहाँ नवविवाहित जोड़ा दषरथ और कौषल्या के रूप में उनके माता-पिता की भूमिका निभाते हैं यह भूमिका भी विषिष्टजनों को ही प्राप्त होती है। बाद में राम जन्म के उपलक्ष्य में 21 ब्राह्मणों की बसंत पूजा की अनूठी परंपरा आज भी अनवरत जारी है। पारंपरिक महाप्रसाद वितरण के साथ उत्सव का समापन देर रात्रि प्रभु श्रीराम के पादुका पूजन से होता है। जहाँ रात्रिकालीन पूजा में प्रभु की विदाई की जाती है। इस समय ''बना रहे दरबार रामा तेरा बना रहे दरबार'' और ''धन्य भाग सेवा का अवसर पाया'' गीतों की सामूहिक प्रस्तुति उपस्थित भक्तजनों का मन मोह लेती है। चैत्र नवरात्रि उत्सव में भाग लेने के देष भर के श्रद्धालु उपस्थित होकर सहभागिता करते हैं।

चुनाव प्रचार में अभ्यर्थी 95 लाख रुपए तक व्यय कर सकेंगे

दमोह । मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी श्री अनुपम राजन ने बताया कि लोकसभा निर्वाचन के लिए भारत निर्वाचन आयोग द्वारा अभ्यर्थी के लिए चुनाव प्रचार व्यय की सीमा 95 लाख रूपये निर्धारित की गई है। इसके लिये अभ्यर्थी को बैंक में एक पृथक खाता खोलना आवश्यक है। श्री राजन ने कहा है कि रिटर्निंग अधिकारी से प्राप्त निर्वाचन व्यय रजिस्टर में सभी दैनिक व्यय लेखा का रख रखाव करना होगा। सभी पोस्टर, बैनर, पम्पलेट, हैण्डबिल, चाहे वे नाम निर्देशन के पहले मुद्रित/प्रकाशित किए गए हो, परंतु नाम निर्देशन के बाद उपयोग/ प्रदर्शित किए जा रहे हों, यह सभी अभ्यर्थी के निर्वाचन व्यय में जुड़ेंगे। उन्होंने बताया कि रैली आयोजन के लिए किराये/भाड़े पर लिए गए व्यावसायिक वाहनों के लिए सभी खर्च प्रचार व्यय लेखे में शामिल किया जाएगा।

माता का विशेष श्रंगार कर हुई महाआरती, मां की एक झलक पाने को भक्त दिखे आतुर

अष्टमी पर मां चंडी के आंगन में लगा आस्था का महाकुंभ

हरिभूमि न्यूज ⏭ हटा

बुंदेलखंड की उपकाशी की प्रसिद्ध माता चंडी मैं चैत्रीय नवरात्रि के अष्टम दिवस मंगलवार को मां के आंगन में आस्था का महाकुंभ देखने को मिला। दरअसल धर्मपरायण नगरी हटा में शक्ति आराधना का पर्व चैत्र नवरात्रि में भक्त मां दुर्गा रानी की आराधना उपासना में लीन हैं। देर रात तक भक्त दर्शन पूजन करने पहुंच रहे हैं नगर के सभी देवी मंदिर आस्था की ज्योत से जगमगा रहे हैं। मंदिर के पुस्तेनी पुजारी पंडित नीरज गोस्वामी ने बताया कि मंगलवार को दुर्गा अष्टमी पर मां जगत जननी माता चंडी जी का सोने चांदी के आभूषणों से विशेष श्रृंगार कर पुष्पों से सुसज्जित पूजा अर्चना की गई इसके उपरांत संध्याकालीन 7:30 बजे माता चंडी की संगीतमय महा आरती की गई जिसमें नगर व क्षेत्र के कोने-कोने से आए श्रद्धालुओं ने घंटों लाइन में लगकर काफी इंतजार के बाद मां के दर्शन करें, हर कोई भक्त माता चंडी की एक झलक पाने को आतुर दिखाई दे रहा था। लेकिन भीड़ में भी उनके उत्साह में कोई कमी नहीं आई, इस दौरान मां के जयकारे से पूरा मंदिर गुंजायमान हो रहा था मंगलवार को दुर्गा अष्टमी होने से भक्तों की भीड़ चंडी मंदिर में लगी रही जो देर रात तक जारी रही। वही आरती पश्चात कई भक्तों द्वारा प्रांगण में जगह-जगह है प्रसाद वितरण किया गया। मंदिर के पुजारी पंडित नीरज ने बताया कि यह मानता है कि चंडी माई के दरबार में जो भक्त सच्चे मन से मनोकामना लेकर आता है माता रानी उसे अवश्य ही पूर्ण करती हैं यही कारण है कि चांदी की मंदिर समूची बुंदेलखंड व प्रदेश में अपनी ख्याति प्राप्त कर रहा है जहां नवरात्रि के दिनों में भक्तों की आस्था इस मंदिर को लेकर बढ़ रही है।

पार्किंग में रही अव्यवस्था

मां चंडी जी मंदिर में अष्टमी के महापर्व पर हजारों की संख्या में माता के भक्त दर्शन करने पहुंचते हैं लेकिन पुलिस व्यवस्था नहीं होने के कारण परिसर के बाहर सड़क किनारे वाहन पार्किंग मैं लोगों को काफी परेशानियों का सामना करना पड़ा वहीं आरती के दौरान परिसर में सुरक्षा व्यवस्था के कोई इंतजाम पुलिस द्वारा नहीं किए गए इतने बड़े मंदिर में एक भी महिला व पुरुष पुलिस बल को तैनात नहीं किया गया था जहां मंदिर कमेटी के सदस्य मंदिर परिसर तथा मंदिर परिसर के बाहर अलर्ट दिखाई दे रहे थे जिन्होंने व्यवस्थाओं को संभाला।

कलेक्टर ने किया मतदाता पर्चियों का वितरण

26 अप्रैल को वोट करने के लिये अपने-अपने मतदान केन्द्रों के लिये किया आमंत्रित, होम वोटिंग 18 एवं 20 अप्रेल को

हरिभूमि न्यूज ⏭ दमोह

भारत निर्वाचन आयोग द्वारा जारी कार्यक्रम के तहत निर्वाचन की तैयार लगातार जारी है, मतदान अधिक से अधिक हो इसके लिये लगातार प्रयास किये जा रहे हैं। इसी क्रम में कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी सुधीर कुमार कोचर ने कहा है मतदान के लिये 10 दिन से भी कम का समय बचा है, 26 अप्रैल को मतदान के लिये दमोह जुटेगा। कलेक्टर श्री कोचर ने एक मुहिम शुरू की है की जितने मतदाता भाई-बहन है, सभी को मतदाता पर्ची और वोटर गाईड, जो आयोग के माध्यम से प्रकाशित की गई है, उसे घर-घर जाकर बांटना प्रारंभ किया है। उन्होंने कहा है लगातार अधिकारी अलग-अलग क्षेत्रों में जाकर के वोटर गाईड और मतदाता पर्ची मतदाताओं को देंगे और उनसे 26 अप्रैल को वोट देने के लिये अपील करेंगे। इसके अलावा बीएलओ, आंगनबाड़ी कार्यकर्ता, आंगनबाड़ी सहायिका, आशा कार्यकर्ता, पंचायत सचिव, ग्राम रोजगार सहायक, पटवारी लगातार ग्रामीण क्षेत्रों में और शहरी क्षेत्रों के वार्डों में भ्रमण करेंगे और मतदाताओं को मतदाता पर्ची देंगे और साथ में 26 अप्रैल को वोट करने के लिये अपने-अपने मतदान केन्द्रों के लिये आमंत्रित भी करेंगे। लेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी श्री कोचर ने सभी मतदाताओं से आग्रह करते हुए कहा मतदाता पर्ची और वोटर गाईड प्राप्त करें और 26 अप्रैल को भूलियेगा मत सभी को मतदान करने के लिये आना ही है। उन्होंने कहा दो बातों को यदि आप सोशल मीडिया के माध्यम से मुझे बता सकें, यदि किसी को मतदाता पर्ची नहीं मिली हो या मिलने में कोई दिक्कत आ रही हो, तो हमें सोशल मीडिया के माध्यम से और दमोह हेल्पलाईन नंबर के माध्यम से सूचित किया जा सकता है। मतदान केन्द्रों पर व्हीलचेयर आदि की भी व्यवस्था की हुई है, यदि इस तरह की कोई दिक्कत कहीं पर हो और उन्हें जरूरत हो तो हमें मेंसेज करें ताकि हम आपका मतदान पूरी सुविधा के साथ करवाने में सफल हो सकें।

होम वोटिंग 18 एवं 20 अप्रेल को उन्होंने कहा इसी प्रकार 18 और 20 अप्रैल को आयोग के निर्देशानुसार होम वोटिंग की प्रक्रिया दमोह में संपादित की जायेगी। जिसमें 85+से अधिक के ऐसे मतदाता जो बड़े वृद्ध मतदाता है या फिर दिव्यांग मतदाता जिन्होंने घर से मतदान करने के ऑपशन पर सहमति दी है, उनकी वोटिंग, इन वोटिंग दिनों के अंदर होगी। यह दो चरणों में होगा पहला चरण 18 अप्रैल को और दूसरा चरण 20 अप्रैल को हैं। उन्होंने सभी से यह पुनः यह आग्रह किया है कि लगातार मतदाता पर्चियां देने के लिये मैं जाऊंगा और मेरी पूरी टीम जायेगी। मतदान का यह पल हमारे यहां नजदीक आ गया है, 26 अप्रैल को सुबह 07 बजे से लेकर शाम 06 बजे तक हम सभी को मतदान का अपना कर्त्तव्य निभाना है, सभी लोग अपने घरों से निकले और मतदान करें।

भगवान परशुराम जी की हुई प्राण प्रतिष्ठा

हटा। सर्व ब्राह्मण समाज की धर्मशाला में विष्णु के साथ में अवतार समाज के आराध्य देव भगवान परशुराम जी की प्राण प्रतिष्ठा अजब धाम फतेहपुर के महंत श्री छोटे सरकार जु की उपस्थिति में आचार्य पंडित द्वारा विधि विधान के साथ पूजन अर्चन कर की गई। प्राण प्रतिष्ठा कर्म में सर्वप्रथम यजमान पं आशीष पुरानी द्वारा गणेश पीठ स्थापित कर किया गया इसके उपरांत शय्या से भगवान श्री परशुराम जी को घंटा शंख की ध्वनि के साथ पं शशि दुबे सुरेश पांडे देवराज पांडे, प्रदीप पांडे, आयुष दुबे द्वारा प्रासाद स्नान, पिण्डिका पूजन कर वेदिक मंत्रो द्वारा कराया गया। प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम परम पूजनीय श्री छोटे सरकार राम अनुग्रह दास जी के सानिध्य में प्रधान यजमान पं महेश पुरानी अशीष पुरानी ने प्रतिष्ठा का कार्यक्रम सम्पन्न हुआ। कार्यक्रम उपरांत भंडारे का आयोजन किया गया जिसमें नगर एवं ग्रामीण अंचलों के ब्राह्मण समाज के लोगों की उपस्थिति रही।

प्रत्येक वोट जरूरी है पर राज्य स्तरीय स्लोगन प्रतियोगिता

दमोह । मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी श्री अनुपम राजन ने बताया है कि लोकसभा निर्वाचन 2024 में मतदान का प्रतिशत बेहतर हो, इसके लिए मतदाता जागरूकता अभियान के अंतर्गत "प्रत्येक वोट जरूरी है" विषय पर राज्य स्तरीय स्लोगन प्रतियोगिता का आयोजन किया जा रहा है। प्रतियोगिता में प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले प्रतिभागियों को प्रमाण पत्र एवं पुरस्कार राशि देकर सम्मानित किया जाएगा। इसके साथ ही 10 प्रतिभागियों को विशेष पुरस्कार से सम्मानित किया जाएगा। प्रतियोगिता में प्राप्त प्रविष्टियों के मूल्यांकन के लिए एक राज्य स्तरीय चयन समिति का गठन भी किया गया है।

आंधी तूफान ओला वृष्टि से कई पेड़ टूटे

पथरिया। बेमौसम बारिश से सोमवार शाम करीब 5.30 एकाएक मौसम में बदलाव हुआ और तेज आंधी के साथ तेज बारिश शुरू हो गई। जिसमें चना के दाने बराकर ओले भी गिरे नाला व खेतों में पानी भर गया सैकड़ों पेड़े टूटने की खबर है। वही आधी तेज हवा में विधुत विभाग के करीब दर्जन भर खंभे टूटने की खबर है। जिससे शाम 6 बजे से ही विधुत सप्लाई बंद हो गई। साथ ही नोरु ग्राम में कई पेड़ गिरकर सड़क मार्ग जाम हो गया। वही पथरिया दमोह सड़क पर पर रेल्वे अंडर ब्रिज पर पानी की निकासी नही होने से करीब 4-5 फुट पानी भराव हो गया जिससे आवागमन बंद हो गया। वही मोटर साइकिल व पैदल राहगीर रेलवे लाइन पार करके वैकल्पिक व्यवस्था बनाकर निकलते रहें।

एक अपराधी पर जिला बदर की कार्यवाही

दमोह। जिला मजिस्ट्रेट सुधीर कुमार कोचर ने आपराधिक गतिविधियों पर तत्काल प्रभाव से नियंत्रण करने के उद्देश्य से पुलिस अधीक्षक श्रुतकीर्ति सोमवंशी के प्रतिवेदन पर म.प्र. राज्य सुरक्षा अधिनियम के तहत 01 अपराधी पर जिला बदर की कार्यवाही की है। जिला मजिस्ट्रेट द्वारा जारी आदेशानुसार अनावेदक राजेन्द्र बिदौल्या पिता अम्बिका प्रसाद बिदौल्या निवासी ग्राम नरसिंहगढ़ थाना दमोह देहात को दमोह जिले की भौगोलिक सीमाओं तथा आस पास के जिला सागर, नरसिंहपुर, जबलपुर, कटनी, पन्ना एवं छतरपुर से आगामी 03 माह अर्थात 90 दिवस की कालावधि के लिये निष्कासित (जिला बदर) कर दिया है। तथा आदेशित किया है कि अनावेदक आदेश की प्राप्ति से 24 घंटे के अंदर दमोह जिले की सीमाओं से बाहर चले जायें एवं अपने आचरण में सुधार करें। जिला बदर की अवधि में अनावेदक को केवल उनके विरूद्ध चल रहे न्यायालयीन प्रकरणों में पेशी दिनांक को उपस्थिति हेतु छूट रहेगी, परंतु इसके पूर्व अनावेदक थाना प्रभारी दमोह देहात को लिखित में सूचना देना होगी तथा न्यायालय में पेशी होने के तुरंत पश्चात वह इस आदेश का पालन सुनिश्चित करेगा।

दो मुट्ठी चावल के लिए दे दिए 2 लोक

श्री कृष्ण और मित्र सुदामा की मित्रता दुनिया के लिए मिशाल बनी : पं गोविंद शरण जी

बनवार। यह कहावत तो आपने सुनी होगी हरि अनंत हरि कथा अनंता। ऐसे ही श्री कृष्ण की लीलाएं भी अनंत हैं। दोस्त और उनके लिए श्री कृष्ण का समर्पण अद्भुत था। भगवान श्री कृष्णा और मित्र सुदामा प्रसंग की कथा में श्री शतचंडी महायज्ञ प्रांगण में चल रही श्रीमद् भागवत कथा के अंतिम दिवस सुनाते हुए पंडित गोविंद शरण जी महाराज ने कहा भगवान श्री कृष्ण के तमाम गुणों के साथ उनके प्रेम और स्नेह की भी अनेक कथाएं कहीं जाती हैं। जहां ब्रज की गोपियों के साथ उनका प्रेम पारलौकिक कहा जाता है। वहीं अपने मित्रों के लिए उनका समर्पण भी अद्भुत दर्शाया गया है। चाहे वह अर्जुन के साथ उनकी मित्रता हो या सुदामा के लिए उनका स्नेह, दोनों ही चरम आदर्श स्थापित करते हैं। यूं तो हम सभी ने कृष्ण और सुदामा की मैत्री के बारे में कभी ना कभी अवश्य पढ़ा और सुना होगा। इसके बाद भी जब हम उनकी कथा सुनते हैं, मन भावुक हो जाता है। अपने मित्र के लिए किसी भी हद तक जाकर उसकी मदद करना कृष्ण जैसे महानायक के लिए ही संभव है। चाहे बचपन में, गुरुकुल में शिक्षा लेते हुए, उनके साथ भिक्षा के लिए जाना हो, या फिर वर्षों बाद राज्य आगमन पर आंसुओं से सुदामा के पैर धोना हो सभी प्रगाढ़ दोस्ती की अद्भुत मिसाल है। गुरुकुल में शिक्षा पूरी होने के बाद कृष्ण और सुदामा अपने अपने घरों में वापस चले गए। ब्राह्मण सुदामा वेद पाठ के बाद भिक्षाटन से जीवन यापन करने लगे, और कृष्ण राजनीतिज्ञ बन द्वारिकाधीश बन गए। गृहस्थ जीवन में प्रवेश के बाद सुदामा बेहद विपन्नता में जीवन व्यतीत करने लगे। तब उनकी पत्नी ने कहा कि वे अपने मित्र द्वारकाधीश श्री कृष्ण से सहायता मांगे। पत्नी के जोर देने पर इच्छा के विपरीत सुदामा श्री कृष्ण से मिलने पहुंचे। जब कृष्ण को अपने मित्र के आगमन का समाचार मिला, तो वे नंगे पांव दौड़ कर, द्वार पर उन्हें लेने आए। सुदामा की दीन अवस्था देखकर, श्री कृष्ण इतने भावुक हो गए कि उनके आंसुओं के जल से ही सुदामा के चरण धूलने लगे। इसके बाद कृष्ण ने उनसे पूछा कि मित्र तुम मेरे लिए क्या लाए हो। शरमाते हुए सुदामा ने पत्नी द्वारा दी गई चावलों की पोटली आगे कर दी। कृष्ण जी ने वह पोटली प्रसन्नता के साथ सुदामा के हाथ से ले ली, और एक के बाद एक उसमें से दो मुट्ठी चावल खा लिए। इस प्रक्रिया के साथ ही 2 लोक की संपत्ति सुदामा के नाम कर दी।

रुक्मिणी ने थामा हाथ

तीसरी मुट्ठी चावल खाने को तत्पर श्री कृष्ण का हाथ उनकी पटरानी रुक्मणी ने थाम लिया। सभी लोग विस्मय से रुकमणी को देखने लगे, कि आखिर उन्होंने ऐसा क्यों किया। तब रुक्मणी ने कहा प्रभु आपने दो मुट्ठी में 2 लोक तो दान कर दिए हैं। अब तीसरा मत कीजिए, वरना हम सब और आपकी प्रजा कहां जाएंगे। इस पर कृष्ण रुक गए और सुदामा को प्रेम पूर्वक उनके घर के लिए, वस्त्र आभूषण के साथ विदा किया इस दौरान बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं की उपस्थित रही।

गुरू समय सागर का संघ

आचार्य श्री विद्यासागर जी के ध्वजवाहक के रूप में धर्मध्वजा को आगे बढ़ायेंगे आचार्य श्री समय सागर जी महाराज

गुरू आदेश व संघ, समाज के निवेदन को ज्येष्ठ श्रेष्ठ मुनिराज ने स्वीकारा, बने आचार्य श्री समय सागर जी

हरिभूमि न्यूज ▶▶ दमोह

सुप्रसिद्ध सिद्ध क्षेत्र कुंडलपुर में आचार्य श्री समय सागर जी महाराज के आचार्य पद पदारोहण के लाखों लोग साक्षी बने। इस भव्य और दिव्य कार्यक्रम में देश-विदेश से जुटे श्रद्धालु भक्तों के बीच आचार्य श्री विद्यासागर जी महाराज के प्रथम शिष्य ज्येष्ठ श्रेष्ठ निर्यापक श्रमण मुनि श्री समय सागर जी महाराज को आचार्य पद पर प्रतिष्ठित कर आचार्य सिंहासन पर विराजमान किया गया। विराजमान करने के पूर्व संघ संचालक डॉ मोहन भागवत ,मंत्री प्रहलाद पटेल, दानवीर अशोक पाटनी द्वारा सिंहासन का लोकार्पण किया गया। वहीं डॉक्टर मोहन भागवत ,मंत्री प्रहलाद पटेल, नवीन जैन सांसद के साथ सभी श्रावक श्रेष्ठि ,जैन तीर्थ क्षेत्र कमेटी के अध्यक्ष एवं उपस्थित भारी जनसमूह ने आचार्य पद पर विराजमान होने के लिए मुनि श्री से निवेदन किया। संपूर्ण मुनि संघ मुनि श्री समय सागर जी को लेकर आया और सिंहासन पर विराजमान कराया। शंखनाद हुआ और शास्त्रोक्त विधि पूर्वक मंत्रो के साथ कलश स्थापना हुई। आचार्य श्री की महान कृति धीरोदय काव्य संग्रह सहित अन्य पत्रिकाओं का विमोचन डॉक्टर मोहन भागवत ने किया ।

कार्यक्रम की शुरूआत में मंगलाचरण की प्रस्तुति सुषमा दीदी ने की। ध्वजारोहण कंवर लाल सुरेश अशोक विमल पाटनी किशनगढ़ द्वारा किया गया। आचार्य श्री विद्यासागर मंडपम पंडाल का उद्घाटन प्रदीप, नवीन चक्रेश जैन पीएनसी परिवार द्वारा किया गया । अतिथियों द्वारा कुंडलपुर के बड़े बाबा ,आचार्य श्री ज्ञान सागर जी महाराज, आचार्य श्री विद्यासागर जी महाराज के चित्र का अनावरण किया एवं दीप प्रज्वलित किया।

कार्यक्रम के अंत में आचार्य पद पदारोहण के संस्कार किये गये जिसमें नव आचार्य को नवीन पिच्छिका प्रदान की गई। इसके पश्चाच स्वर्ण कलशों से उनका पाद प्रच्छालन किया गया। मंत्रोच्चार के साथ भक्ति पाठ किया। शाम की आचार्य भक्ति भी मंच पर हुई है।

मंच से बड़ी घोषणा, आचार्य श्री के आदेशानुसार अब निर्यापक भी शिक्षा दीक्षा देकर कर सकेंगे संघ का विस्तार

आचार्य श्री की ये विरासत साधारण विरासत नहीं है। कोई साधारण इसका भार नहीं उठा सकता। विरासत आसाधरण है तो उसका ध्वज वाहक भी आसाधारण होना चाहिये। हमें प्रसन्नता है कि यह नेतृत्व समय सागर जी महाराज के कंधों पर सौंपा जा रहा है हम सब इसके साक्षी बने है : मुनि श्री

निर्यापक श्रमण योग सागर जी महाराज ने सुनाया समाधि के पश्चात संध व समाज के लिये आचार्य श्री आदेश द्वारा दिये गये आदेश का वृतांत। उन्होने पूरा संस्मरण सुनाया। उन्होने कहा जैसे दीपक होता है, उसके माध्यम से अनेक दीपक जल जाते है, अंधकार को नाश करते है। आचार्य दीपक की भांति होते है। बुझे हुए दीपक को जला देते है।

निर्यापक श्रमण सुधा सागर जी महाराज ने श्रमण परंपरा की शुरूआत से लेकर आचार्य श्री विद्यासागर जी की परंपरा तक की पूरी परंपरा समझाई। उन्होने आचार्य श्री को कुन्द कुन्द की चर्या को जीवित करने वाता बताया।

आचार्य श्री आध्यात्मिक साधक थे, मन वचन कर्म से सदैव राष्ट्र का मार्गदर्शन करते रहे : मोहन भागवत

इस अवसर पर मुख्य अतिथि डॉक्टर मोहन भागवत ने अतिथि उद्बोधन में कहा यहां उमड़ पड़ा जनसमूह में सबको प्रणाम। मैंने आचार्य श्री विद्यासागर जी के दर्शन पहली बार जबलपुर दयोदय में किए। आध्यात्मिकता का परिचय तो था नहीं, भय था कैसे मिलेंगे। लेकिन जब आचार्य श्री प्रथम दर्शन किये व उनकी आत्मीयता व स्नेह से सारा भय दूर हो गया। बाद में जब-जब संभव हुआ विशेष कर चौमासे के समय या मेरे आसपास होते तो उनके पास

पहुंच जाता। उनसे मिलने के बाद यह बात पता चली कि वह पूरे देश का मार्गदर्शन अपने मन वचन व कर्म से कर रहे है। अपने देश की विशेष दृष्टि, संस्कृति, प्रकृति है, वही जान सकता है जो आध्यात्मिक साधक हो। आचार्य श्री आध्यात्मिक साधक थे। स्वयं के बल पर संपूर्ण भारत को एकाकार किया। सत्य के बलबूते ही संपूर्ण भारत के साथ एकाकार हुये थे। देश में अन्य भी संप्रदाय है, सबके अलग अलग मत है। सत्य को जानने के बाद जब एकाकारिता सध जाती है तो कोई भी पराया नहीं होता। क्योंकि आत्मीय ज्ञान जागता है। रास्तों में अंतर है, गंतव्य में कोई अंतर नहीं। हम एक कैसे हैं इसे जानने के लिये स्व को जानना चाहिए। आचार्य श्री कहते थे भारत को भारत कहो इंडिया नहीं कहे। अभी डोंगरगढ़ में आखिरी बार आचार्य श्री से मिला। उन्होंने देश की आर्थिक उन्नती के लिये बड़े पते की बात कही। आचार्य ने कहा जंगलों में बसने वाले बहुत अच्छे कारीगर हैं इनके विकास के साथ आर्थिक विकास की दिशा में कार्य होने चाहिए। बहुत सरल शब्दों में उन्होने बात समझाई लेकिन बड़े बड़े विद्वान इस दिशा में सोच रहे है। वे अजातशत्रु थे। सबके प्रति आत्मीय थे, उनके पास जो जाएगा उसके अपने और विश्व के कल्याण की बात को आसानी से केवल समझा नहीं सकते थे करवा सकते थे। उन्होने पंक्तियां कही चंद्रमा जैसे शीतल है लेकिन चंद्रमा जैसा कलंक नहीं, सूर्य जैसे तेजस्वी है पर सूर्य जैसा ताप नहीं, सबके लिए सदा सज्जन है सबके लिये आत्मीय है अपने हैं ऐसी ईश्वर निष्ठा की मंडली हमको सदा मिलती रहे। विद्यासागर जी महाराज उसे मंडली में एक थे। ऐसे लोग राष्ट्र की निधि है। उनके मार्गदर्शन के चलते हम लोग सही सलामत निकले है। अब हमारी आंखों के सामने से अंतरध्यान हो गये, सूक्ष्य जगत से मार्गदर्शन करेगे। परंतु आंखों के सामने वैसा ही एक आचार्य चाहिये। मुझे बहुत खुशी है कि हम सब ने आज समय सागर जी को यह पद लेने के लिये कहा है। आपके निर्णय का अनुमोदन करता हू एवं पूज्यश्री के चरणों में श्रद्धानवत प्रणाम करता हूं। इसी प्रकार उनके मार्गदर्शन की छाया में अपने राष्ट्रजीवन का रथ आगे बढ़ता रहे यही भावना रखता हूं।

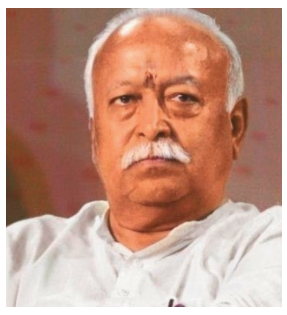

इतिहास ने बदली करवट

सदलगा के संत विद्यासागर महाराज ने 1972 मे आचार्य पद ग्रहण किया था। उन्हें यह दायित्व उनके गुरु आचार्य श्री ज्ञानसागर जी महाराज ने सौंपा था। बीते 52 सालों मे उन्होंने अपने त्याग, तपस्या और संयमित जीवन से दुनिया को दिगंबर तीर्थकरो के जीवंत स्वरूप का दर्शन कराया। उन्होंने मानव को जिन वाणी का रहस्य बताकर आत्म कल्याण का रास्ता दिखाया वही मूक प्राणियों की रक्षा के लिए कदम उठाकर और वर्तमान के वर्धमान कहलाए।

दो माह बाद संघ को मिले नये आचार्य

सबसे बड़े जैन मुनिसंघ को दो माह के लम्बे इंतजार के बाद मंगलवार को संघ के नायक के रूप मे निर्यापक श्रमण मुनि श्री समय सागर जी महाराज मिल गए। यह पद आचार्य श्री विद्यासागर जी महाराज की समाधि होने के बाद से खाली था। प्रसिद्ध जैन तीर्थ कुण्डलपुर मे आयोजित भव्यतम समारोह मे सैकड़ो मुनियो, आर्यकाओ और सामाजिक प्रतिनिधियों की अनुमोदना के साथ निर्यापक मुनि श्री समय सागर जी महाराज ने आचार्य पद का दायित्व संभाला। वर्तमान दौर के सबसे बड़े बदलावकारी घटना के देशभर के हजारों श्रावक श्रविकाए साक्षी बने।

उल्लेखनीय है कि संत, कवि, चिंतक के रूप देश दुनिया मे विख्यात जैनाचार्य विद्यासागर जी महाराज की गत 17 फ़रवरी की रात्रि को सल्लेखना पूर्वक समाधि हो गई थी। वह जनवरी 23 मे महाराष्ट्र के अंतरिक्ष पार्श्व नाथ सिरपुर मे चातुर्मास के बाद छत्तीसगढ़ के चन्द्रगिरी तीर्थ पहुंचे थे। दिसंबर महीने मे तिल्दा नेवरा मे पंच कल्याणक मे शिरकत करने के बाद वापस चंदगिरी पहुँचे थे। इस बीच उनके स्वास्थ्य मे गिरावट देखा जा रहा था पर कभी किसी ने सपने मे भी नहीं सोचा था आचार्य श्री का यह पड़ाव अंतिम साबित होने वाला है। स्वास्थ्य मे लगातार गिरावट के बाद आचार्य श्री ने अन्न, जल के अलावा आचार्य पद का त्याग कर दिया था। गत 17 फ़रवरी की मध्यरात्रि के बाद आचार्य श्री ब्रम्हालीन हो गए थे। उन्होंने समाधि के पूर्व अपने पहले शिष्य निर्यापक मुनि श्री समय सागर महाराज का आचार्य पद का दायित्व सौपने की मंशा जाहिर किया था।

आचार्य पदारोहण का दृश्य देखकर बोले सीएम मोहन यादव

जो मानव से महामानव, महामानव से देवत्व धारण कर ले उनके दर्शन से जीवन धन्य हो जाता है : सीएम

दमोह । मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि आज कुण्डलपुर में आचार्य पदारोहण महामहोत्सव में आकर ऐसा लग रहा है कि देवताओं की भी आंखें तरस रही होगीं आज के इस दृश्य को देखकर। आचार्य समय सागर जी महाराज के पदारोहण के इस दृश्य को देखकर हम सभी इसे समझने की कोशिश करते रहेंगे, लेकिन सही अर्थ में यह हमें समझ में नहीं आएगा कि हम कौन सी दुनिया में पहुंच गए हैं। यह विचार मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने आज देश के सबसे बड़े जैन तीर्थ स्थल कुण्डलपुर में आचार्य मुनिश्री समय सागर महाराज के आचार्य पदारोहण महा महोत्सव में व्यक्त किये। इस अवसर पर राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ प्रमुख डॉ मोहन भागवत भी उपस्थित थे। डॉ मोहन यादव ने कहा कि ऐसा लग रहा है परमात्मा ने यह क्षण देकर हमारे जीवन को धन्य कर दिया हैं। मैं आपको प्रणाम करता हूं, धन्यवाद करता हूं। उन्होंने कहा भारत की विशेषता और परमात्मा की कृपा है कि इस पृथ्वी पर कई जन्मों के पुण्य के बाद मृत्यु लोक में जाने के पूर्व ऐसे कुछ क्षण मिलते हैं, जो हमारे जीवन को धन्य कर जाते हैं। मानव से महामानव और महामानव से देवत्व धारण कर लें, ऐसे देवता के

दर्शन हो जाए तो वाकई जीवन धन्य हो जाता है। ऐसा लगता है अब इस घड़ी के बाद कुछ बचा नहीं, सब कुछ प्राप्त हो गया है। उन्होंने कहा कि अपने जीवन काल में आचार्य विद्यासागर जी महाराज जीते जी देवत्व धारण कर गये, उनकी कृपा से हमारी सरकार बनी तो हमने पहली कैबिनेट के पहले निर्णय में कुछ बातें इस प्रकार से जोड़ी, जिस कारण से हमारी सनातन संस्कृति युगो-युगो से दुनिया में अलग जानी जाती है।

डॉ. मोहन यादव ने कहा कि यशस्वी प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में नई शिक्षा नीति 2020 लागू हुई है, जिसके माध्यम से भारत को गौरवशाली भारत के रूप में जाना जाएगा। उस गौरवशाली भारत की भावी पीढ़ी को उस लायक बनाया जाएगा, जिसके कारण वह गर्व महसूस कर सके और गौरान्वित हो सकें। हमने भगवान महावीर स्वामी के वीरपदों एवं 24 तीर्थंकरों के वीरपदों को पाठ्यक्रम में हिस्सा दिया है।

इस अवसर पर मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने बताया कि सागर में शुरू किए जाने वाले आयुर्वैदिक मेडिकल कॉलेज का नाम आचार्य विद्यासागर महाराज के नाम से किया गया है। उन्होंने कहा कि हमारी सरकार ने निर्णय लिया के खुले में मांस नहीं बिकने दिया जाएगा, जिसका पालन भी कराया गया है।

मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव आज शाम करीब 4,30 बजे प्रसिद्ध जैन तीर्थ क्षेत्र कुंडलपुर पहुँचे थे। हेलीपैड से वे सीधे कार्यक्रम स्थल विद्यासागर मंडपम पहुँचे, जहां मंच पर उन्होंने आचार्य श्री समय सागर जी महाराज और जैन मुनियों से आशीर्वाद लिया। महामहोत्सव में भाग लेकर डॉ. यादव हेलीपेड से जबलपुर के लिए रवाना हो गये।

इस अवसर पर भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष वी.डी. शर्मा, पंचायत एवं ग्रामीण तथा श्रम मंत्री प्रहलाद सिंह पटेल, पशुपालन एवं डेयरी विभाग राज्यमंत्री श्री लखन पटेल, संस्कृति, पर्यटन, धर्मस्व न्यास एवं धार्मिक न्याय राज्यमंत्री धर्मेन्द्र सिंह लोधी, पूर्व मंत्री एवं दमोह विधायक जयंत कुमार मलैया, पूर्व मंत्री एवं पिछड़ा वर्ग आयोग के अध्यक्ष डाँ रामकृष्ण कुसमरिया, विधायक हटा उमादेवी खटीक, विधायक सागर शैलेन्द्र जैन, हिदानंद शर्मा, पूर्व विधायक अजय टंडन सहित अन्य जनप्रतिनिधि मौजूद रहे।

आचार्य भगवन के आर्शीवाद से ऐसे 508 साधक मोक्ष मार्ग पर आरूढ़ हुये

आचार्य भगवन के चतुर्विध संघ में 48 वर्षीय गणपोषण काल में उनके कर कमलों से 131 मुनिराजों को जैनेश्वरी दीक्षा प्रदान हुई। 172 आर्यिकाएं हुई। 61 एलक, 141 क्षुल्लक पद पर आसीन हुये। आचार्य भगवन के आर्शीवाद से ऐसे 508 साधक मोक्ष मार्ग पर आरूढ़ हुये। इसके अतिरिक्त ब्राम्ही आश्रम जबलपुर सागर, प्रतिभास्थली की पांच शाखायें, श्राविका, उदासीन आश्रम इसके साथ ही घरों मे रहने ब्रम्हचारी भाई बहने जो तप त्याग के माध्यम से मोक्ष मार्ग पर आगे बढ़ रहे है। आचार्य भगवन ने प्रथम मुनि दीक्षा दी वह उनके छोटे भाई मुनि श्री समय सागर जी व अंतिम दीक्षा मुनि श्री उत्कृष्ट सागर जी को दी। दोनो ही उनके संसारी जीवन के भाई है। मुनि श्री ने बताया कि आचार्य श्री को कुण्डलपुर बहुत प्रिय था लेकिन उन्होने इस क्षेत्र पर एक भी मुनि दीक्षा नहीं दी, हम आचार्य श्री समय सागर जी महाराज से निवेदन करते है कि वह यहां बैठे कई लोग जो योग्य हो गये है उन्हे मुनि दीक्षा प्रदान करें।

आचार्य समय सागर जी का परिचय

कर्नाटक के सदलगा निवासी मलप्पा जी और श्रीमंती के घर 27 अक्टूबर 58 को जन्मे शान्तिनाथ जो अब मुनि श्री समय सागर महाराज है ने हाइस्कूल तक मराठी मे लौकिक शिक्षा हासिल करने के बाद अतिशय क्षेत्र महावीर जी मे 2 मई 75 को ब्रम्हचर्य व्रत ले लिया था। उन्होंने 18 दिसंबर 75 को सिद्ध क्षेत्र सोनागिरी मे छुलक, 31 अक्टूबर 78 को सिद्धक्षेत्र नैनागिरी मे एलक और 8 मार्च 80 को सिद्धक्षेत्र द्रोणगिरी मे मुनि दीक्षा अंगीकार किया था। वह आचार्यश्री के पहले शिष्य है। जैनाचार्य विद्यासागर जी महाराज और नव आचार्य समय सागर जी महाराज के जन्म के साथ ऐसा विचित्र संयोग जुडा है। आचार्य श्री का जन्म 10 अक्टूबर 1946 को हुआ था उस दिन शरद पूर्णिमा थी। वही मुनि श्री समय सागर जी की जन्मतिथी 27 अक्टूबर 1958 है इस दिन भी शरद पूर्णिमा थी।

संतों का अदभुत समागम

आगामी 16 अप्रैल को हुए आचार्य पड़ारोहण समारोह मे शिरकत करने विभिन्न राज्यों मे विराजमान मुनिसंघ लम्बा पद विहार करते हुए कुण्डलपुर पहुंछा था। जानकारी के अनुसार मुनि विरसागर पुणे, सुधासागर आगरा, मुनि श्री प्रमाण सागर जी महराज शिखर जी से पदयात्रा कर सिद्ध क्षेत्र कुण्डलपुर पंहुचे थे। इस समारोह मे विद्यासागर जी महाराज के संघ के 9 निर्यापक मुनि, 78 मुनिराज, 152 आर्ययिकाए, 6 एलक, 41 छुलक सहित देशभर के अनुयायी शामिल हुए। यह दूसरा मौका था ज़ब समुचे संघ के दर्शन श्रवको को एक साथ दर्शन करने का मौका मिला. इससे पहले पंचायत कल्याणक महोत्स्व के दौरान सारे मुनि कुण्डलपुर मे जमा हुए थे।